Discover your divinity with us
A/C Showroom
ज्ञान गंगा ॐ मूर्ति माला केन्द्र
उजाला भवन स्टेशन रोड, दुर्ग
0788-4030383, 3293199
भगवान के वस्त्र, श्रृंगार
मूर्तियां एवं समस्त
पूजन सामग्री
संगमरमर व पीतल की
मूर्तियां राशि रत्न
एवं उपरत्न उपलब्ध

राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...

समय दर्शन

ESTD : Since 2011

रायपुर एवं दुर्ग से प्रकाशित

संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर

निष्पक्ष निर्भीक ख़बरों के साथ

श्री
दुर्ग शहर में
सुप्रसिद्ध
ज्योतिषाचार्य
माँ दुर्गा उपासक मां बगुलामुखी, माँ कामख्या, माँ भद्रकाली, माँ शतचंडी की असीम कृपा साधना द्वारा समस्त समस्याओं का मार्ग दर्शन हेतु
पं. एम.पी. शर्मा/
मो. 8109922001
फीस 251/- मात्र
पता:- श्री दुर्गा ज्योतिष कार्यालय
सिकोला भाठा, सब्जी मार्केट के
सामने, धमधा नाका, दुर्ग

वर्ष 14, अंक 247 पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रूपये दुर्ग, सोमवार 07 जुलाई 2025 www.samaydarshan.in

संक्षिप्त समाचार

अमूल दूध के गोदाम में लगी भीषण आग, सब कुछ जलकर खाक

जमशेदपुर। जमशेदपुर के मानगो सिमुलडांगा इलाके में सुबह एक बड़ा हादसा हो गया। एमजीएम थाना क्षेत्र में राष्ट्रीय राजमार्ग-33 (एनएस-33) के किनारे स्थित अमूल दूध के एक बड़े गोदाम में सुबह लगभग 7 बजे अचानक भीषण आग लग गई। आग इतनी तेजी से फैली कि कुछ ही पलों में पूरे गोदाम को अपनी चपेट में ले लिया और आस-पास के इलाके में अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों के मुताबिक, शॉर्ट सर्किट से आग लगी, हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हो पाई है। आग की लपटें इतनी तेज थीं कि करीब दो किलोमीटर दूर से दिख रही थीं। आग लगने की खबर मिलते ही एमजीएम थाना पुलिस मौके पर पहुंची और तुरंत अग्निशमन विभाग को सूचित किया गया।

बुजुर्ग महिला से साइबर ठगी मामले में 3 गिरफ्तार

नोएडा। नोएडा की साइबर सेल एक बुजुर्ग महिला के साथ हुई ठगी मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इन ठगों ने एक बुजुर्ग महिला को डिजिटल अरेस्ट का डर दिखाकर 3.29 करोड़ रुपये की ठगी की थी। इस गिरफ्तारी के बारे में एडीसीपी मनीष सिंह ने पूरी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि तीनों आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। इनमें दो दिल्ली और एक नोएडा का रहने वाला है। ठगी के 17 लाख रुपये भी फ्रीज कराए हैं। 30 जून को पीड़ित बुजुर्ग महिला ने साइबर सेल थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत के मुताबिक, ठगों ने फोन कॉल के जरिए महिला को डराया कि उनके बैंक खाते से जुआ और अवैध हथियारों की खरीदारी हुई है। डर और धमकी के दबाव में महिला ने ठगों के बताए खातों में 3.29 करोड़ रुपये ट्रांसफर कर दिए। एडीसीपी के मुताबिक, जांच में पता चला कि आरोपियों ने अपने और अन्य लोगों के बैंक खातों का इस्तेमाल ठगी के लिए किया। पूछताछ के दौरान सामने आया कि इन खातों में 71 लाख और 93 लाख रुपये की राशि विभिन्न समय पर जमा की गई थी।

संभल में बारात की कार कॉलेज की दीवार से जा टकराई..

संभल। उत्तर प्रदेश के संभल जिले में शुक्रवार शाम एक सड़क हादसे में दूल्हा समेत पांच लोगों की मौत हो गई और पांच अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा जिले के थाना जुनावई क्षेत्र में हुआ जहां दूल्हा सहित पांच लोगों की मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक हरगोविंदपुर के निवासी बदायूं बारात लेकर जा रहे थे। दुर्घटना में पांच लोग गंभीर रूप से घायल भी हैं।

सुशासन और विकास की राह पर छत्तीसगढ़

पंडरिया में उप तहसील....नालंदा परिसर और नि:शुल्क बस सेवाओं की घोषणा

■ मुख्यमंत्री ने कहा - समावेशी विकास और सुशासन से बनेगा सशक्त छत्तीसगढ़रू पंडरिया के समग्र विकास के लिए की कई महत्वपूर्ण घोषणाएँ

रायपुर/ संवाददाता

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार राज्य के हर कोने को विकास की मुख्यधारा में लाने के लिए संकल्पित है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की नीतियों और संकल्पों को जमीन पर उतारने के लिए पूरी प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है। भ्रष्टाचार के सभी रास्ते बंद कर सुशासन की स्थापना की दिशा में निरंतर प्रयास हो रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों को मजबूत आधारभूत ढाँचे और बुनियादी सुविधाओं से जोड़ने के लिए अनेक योजनाओं को तेज़ी से क्रियान्वित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री श्री साय आज पंडरिया विधानसभा क्षेत्र के महतारी अलंकरण सम्मान समारोह में वर्चुअल माध्यम से संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पंडरिया क्षेत्र को समृद्ध, सशक्त और विकसित बनाने की पहल प्रारंभ हो चुकी है। इस दिशा में अनेक योजनाओं और विकास कार्यों की स्वीकृति एवं क्रियान्वयन किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर कई महत्वपूर्ण घोषणाएँ कीं। उन्होंने रणवीरपुर में नवीन उप तहसील की स्थापना, आगामी शिक्षा सत्र से बिरेंद्र नगर में

महाविद्यालय प्रारंभ करने, पंडरिया में 250 सीटर नवीन नालंदा परिसर, कुण्डा में महाविद्यालय के लिए नवीन भवन और पंडरिया में नवीन नगर पालिका भवन के निर्माण की घोषणा की। इसके अलावा राष्ट्रीय राजमार्ग-130 ए के 2.1 किलोमीटर मार्ग का चौड़ीकरण कर इसे 4 लेन में उन्नत किया जाएगा। कार्यक्रम में 72 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित अधोसंरचना विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन भी मुख्यमंत्री के करकमलों से सम्पन्न हुआ। उन्होंने बताया कि ग्रामीण अंचलों में बैंकिंग सुविधाओं के विस्तार के लिए अटल डिजिटल सुविधा केंद्र अब तक 1,460 ग्राम पंचायतों में स्थापित किए जा चुके हैं और आगामी एक वर्ष में यह सुविधा सभी पंचायतों तक पहुँचाई जाएगी। रजिस्ट्री प्रक्रिया को सरल, पारदर्शी और कम खर्चीला बनाया गया है ताकि आम नागरिकों को किसी कठिनाई का सामना न करना पड़े। मुख्यमंत्री श्री साय ने क्षेत्रीय विधायक श्रीमती भावना बोहरा के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि छात्राओं के लिए 5 नि:शुल्क बस सेवाओं की शुरुआत केवल एक सुविधा नहीं, बल्कि बेटियों के आत्मविश्वास और सशक्तिकरण की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। इससे अब छात्राओं को महाविद्यालय आने-जाने में किसी भी प्रकार की परेशानी नहीं होगी।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने कहा कि पंडरिया के लिए आज का दिन ऐतिहासिक है, जब 72 करोड़ रुपये के विकास कार्यों का लोकार्पण तथा बेटियों के लिए 5 नि:शुल्क बसों की शुरुआत हो रही है। यह छत्तीसगढ़ में अपनी तरह की अनूठी पहल है। उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने कहा कि प्रदेश में विकास अब केवल शहरी क्षेत्रों तक सीमित नहीं है, बल्कि हर गाँव और क्षेत्र में समान रूप से पहुँच रहा है। आने वाला समय छत्तीसगढ़ की प्रगति का नया अध्याय होगा। लोकसभा सांसद श्री संतोष पाण्डेय ने कहा कि यह पहल बेटियों की शिक्षा और सशक्तिकरण के लिए महत्त्वपूर्ण साबित होगी। नि:शुल्क बस सुविधा से छात्राओं को अपने सपनों को साकार करने में और अधिक संबल मिलेगा। क्षेत्रीय विधायक श्रीमती भावना बोहरा ने बताया कि पहले 3 नि:शुल्क बसों का संचालन किया जा रहा था, जिन्हें अब बढ़ाकर 8 कर दिया गया है।

आयुष्मान वैन को हरी झंडी दिखाई गई

दिल्ली सरकार के अस्पतालों में 1,300नर्सों की नियुक्ति

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने राष्ट्रीय राजधानी में स्वास्थ्य सेवा प्रणाली को मजबूत करने के लिए रविवार को 1,300 से अधिक नए नर्सिंग अधिकारियों की नियुक्ति की और आयुष्मान भारत पंजीकरण वैन की शुरुआत की।इस कार्यक्रम में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष जे पी नड्डा, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, स्वास्थ्य मंत्री पंकज सिंह और अन्य वरिष्ठ मंत्री उपस्थित थे। लोगों को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री गुप्ता ने पिछली सरकार की तीखी आलोचना की और आरोप लगाया कि उसने राजधानी के स्वास्थ्य ढांचे को खराब होने दिया। उन्होंने कहा, अतीत में दिल्ली की स्वास्थ्य

सेवा इतनी खराब स्थिति में थी कि प्रति 1,000 लोगों पर केवल 0.42 अस्पताल बिस्तर उपलब्ध थे। उन्होंने कहा, 38 अस्पतालों में केवल छह एमआरआई मशीन और 12 सीटी स्कैन मशीन थीं। दवाइयों की कमी के कारण मरीजों को अक्सर वापस लौटना पड़ता था।

सड़क पर मवेशी और तेज रफ्तार...

पिकअप की चपेट में आकर दो लोगों की हुई मौत,तीसरे की हालत गंभीर....

कोरबा। कोरबा के कटघोरा-अम्बिकापुर नेशनल हाईवे पर एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। तेज रफ्तार पिकअप वाहन ने बाइक सवार को टक्कर मार दी। इस घटना में दो लोगों की मौत हो गई और एक अन्य गंभीर रूप से घायल है। घायल को डायल 112 की टीम ने कटघोरा अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका इलाज शुरू किया गया। उसकी हालत को देखते हुए जिला मेडिकल कॉलेज में भर्ती किया गया है। पुलिस ने दुर्घटनाकारित पिकअप वाहन चालक को गिरफ्तार कर लिया है और आगे की जांच कर रही है। बताया जा रहा है कि बाइक पर तीन लोग सवार थे। ढेलवाडीह निवासी 37 वर्षीय अजय यादव और 26 वर्षीय सुमित गुप्ता और एक अन्य साथी था। तीनों एक ही गांव के रहने वाले थे और किसी काम से बाहर गए हुए थे। देर रात अपने घर वापस लौट रहे थे। हादसे में अजय की घटना स्थल पर ही मौत हो गई समीर की इलाज के दौरान मौत हुई। वहीं, तीसरा जिंदगी और मौत से जूझ रहा है। बताया जा रहा है कि पिकअप वाहन की रफ्तार

तेज थी और सड़क पर मवेशी बैठा था। इस वजह से पिकअप वाहन अनियंत्रित हुआ। स्थानीय लोगों की माने तो पिकअप वाहन की रफ्तार काफी तेज थी। बारिश भी हो रही थी, बीच सड़क पर मवेशी भी बैठा हुआ था। जिसे बचाने के फेर में बाइक सवार को चपेट में ले लिया और अनियंत्रित होकर वाहन पलट गया। इस हादसे में बाइक चालक की घटना स्थल पर ही मौत हो गई। वही पिकअप चालक को मामूली चोटे आई है। इस हादसे के बाद 112 को इसकी सूचना दी गई। मौके पर पहुंच घटनाक्रम की जानकारी लेते हुए मृतकों और घायल को को कटघोरा स्थित उप स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे। वहीं, इसकी सूचना कटघोरा थाना पुलिस को दी गई। कटघोरा पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और जांच शुरू कर दी है। पिकअप वाहन को जब्त कर लिया गया है और चालक को गिरफ्तार किया गया है।

बिहार में वोटिंग लिस्ट पर 'बवाल'

अब चुनाव आयोग के फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट पहुंचीं.....

नई दिल्ली/ एजेंसी

बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का मामला लगातार गर्माता जा रहा है। चुनाव आयोग के फैसले के खिलाफ अब तृणमूल कांग्रेस की नेता और सांसद महुआ मोइत्रा ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है। महुआ मोइत्रा ने भारत निर्वाचन आयोग के आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। महुआ मोइत्रा ने अपनी याचिका में कहा कि वह निर्वाचन आयोग के 24 जून के उस आदेश को रद्द करने का अनुरोध करती हैं, जिसके तहत

संविधान के विभिन्न प्रावधानों का कथित उल्लंघन करते हुए विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) किया जा रहा है। याचिका के मुताबिक, संविधान के अनुच्छेद 32 के तहत जनहित में दायर वर्तमान रिट याचिका में भारत निर्वाचन आयोग के 24 जून को जारी आदेश को रद्द करने का अनुरोध किया गया है। आदेश के तहत बिहार में मतदाता सूचियों का विशेष गहन पुनरीक्षण किया जा रहा है, जो संविधान के अनुच्छेद 14, 19(1)(ए), 21, 325, 328 व जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 और निर्वाचक पंजीकरण नियम, 1960 के प्रावधानों का उल्लंघन करता है। महुआ ने अपनी याचिका में कहा, अगर इस आदेश को रद्द नहीं किया गया, तो यह देश में बड़े पैमाने पर पात्र मतदाताओं को मताधिकार से वंचित कर सकता है, जिससे लोकतंत्र, स्वतंत्र व निष्पक्ष चुनाव कमजोर हो सकते हैं।

भीलवाड़ा में भीड़ ने ली युवक की जान,जहाजपुर में कार-ठेला टक्कर विवाद से हुई घटना

भीलवाड़ा। जिले के जहाजपुर कस्बे में शाम मामूली सड़क विवाद ने उग्र रूप लेते हुए एक युवक की जान ले ली। कार की ठेले से टक्कर के बाद हुई कहासुनी मारपीट में बदल गई, जिसमें 25 वर्षीय युवक सीताराम कीर की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। इस घटना के विरोध में शनिवार को जहाजपुर कस्बा पूरी तरह बंद है। इलाके में तनाव के मद्देनज़र 10 थानों का पुलिस जाप्ता तैनात किया गया है। घटना शुक्रवार शाम करीब 7:30 बजे की है। टोंक जिले के छावनी क्षेत्र निवासी चार युवक—सीताराम कीर, सिकंदर, दिलखुश, और दीपक—कार से जहाजपुर आए थे। वे सिकंदर कीर की बहन के घर एक पारिवारिक कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे थे।

बिहार चुनाव से पहले एनडीए में घमासान

चिराग पासवान का बड़ा ऐलान सभी 243 सीटों पर लड़ेंगे चुनाव

पटना/ एजेंसी

साल के अंत में होने वाले बिहार विधानसभा चुनाव से पहले, राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन में अंदरूनी घमासान मचा हुआ है। अब एनडीए में शामिल लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान के एक बयान ने बीजेपी और जेडीयू दोनों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। छपरा के राजेंद्र स्टेडियम से चिराग पासवान ने ऐलान किया है कि उनकी पार्टी बिहार की सभी 243 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ेगी। चिराग पासवान रविवार को छपरा के राजेंद्र स्टेडियम में

पार्टी द्वारा आयोजित 'नव-संकल्प महासभा' कार्यक्रम में शामिल हुए थे। इस दौरान जनसभा को संबोधित करते हुए चिराग ने हुंकार भरते हुए कहा, 'आज सारण की इस पावन धरती से, आप सबके सामने मैं यह कहकर जा रहा हूं कि हां, मैं चुनाव लड़ूंगा। मैं चुनाव लड़ूंगा बिहारियों के लिए, अपने भाइयों के लिए, अपनी माताओं के लिए, अपनी बहनों के लिए और बिहार में एक ऐसी व्यवस्था तैयार करेंगे, एक ऐसा बिहार बनाएंगे जो सही मायनों में प्रदेश को विकास की राह पर आगे ले जाएगा। आज सारण की इस पावन धरती से, आप सबके सामने मैं यह कहकर जा रहा हूँ कि हाँ, मैं चुनाव लड़ूंगा। मैं चुनाव लड़ूंगा बिहारियों के लिए, अपने भाइयों के लिए, अपनी माताओं के लिए, अपनी बहनों के लिए और बिहार में एक ऐसी व्यवस्था तैयार करेंगे।

पीएम मोदी और माइली में चर्चा-खनिज-ऊर्जा-व्यापार में सहयोग बढ़ाएंगे दोनों देश

आयर्स/ एजेंसी

भारत और अर्जेंटीना खनिज, व्यापार एवं निवेश और उर्जा समेत विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाएंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अर्जेंटीना के राष्ट्रपति जेवियर माइली के बीच द्विपक्षीय बैठक के दौरान इन क्षेत्रों के साथ अन्य कई क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग बढ़ाने पर व्यापक चर्चा हुई। पीएम मोदी पांच देशों की अपनी यात्रा के तीसरे चरण में दो दिवसीय यात्रा पर शुक्रवार की रात ब्यूनस आयर्स पहुंचे थे। शनिवार को उनकी राष्ट्रपति माइली के साथ प्रतिनिधिमंडल स्तर की द्विपक्षीय वार्ता हुई। माना जा रहा है कि यह बातचीत मुख्य रूप से व्यापार, निवेश, ऊर्जा, कृषि और महत्वपूर्ण खनिजों सहित कई प्रमुख क्षेत्रों में भारत-अर्जेंटीना संबंधों को विस्तारित करने पर केंद्रित रही। फरवरी, 2019 में अर्जेंटीना के तत्कालीन

राष्ट्रपति मौरिसियो मैक्री की भारत यात्रा के दौरान दोनों देशों के बीच संबंध रणनीतिक साझेदारी तक बढ़ गए थे।दोनों पक्ष व्यापार, रक्षा, महत्वपूर्ण खनिज, तेल एवं गैस, परमाणु ऊर्जा, कृषि, सांस्कृतिक और प्रौद्योगिकी जैसे कई प्रमुख क्षेत्रों में सहयोग कर रहे हैं। दोनों देशों के बीच खनिज संसाधन क्षेत्र में महत्वपूर्ण सहयोग है, विशेष रूप से लिथियम में - जो भारत के हरित ऊर्जा परिवर्तन के लिए एक महत्वपूर्ण घटक है। इसको लेकर अगस्त 2022 में समझौता ज्ञान पर हस्ताक्षर किए गए थे। समझौता ज्ञापन के ढांचे के तहत गठित संयुक्त कार्य समूह की पहली बैठक जनवरी में हुई थी। भारत-अर्जेंटीना द्विपक्षीय व्यापार में तेजी आई है। 2019 से 2022 तक तीन वर्षों में व्यापार की मात्रा दोगुनी से भी ज्यादा हो गई है, जो 2022 में 6.4 अरब डॉलर के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई है।

संक्षिप्त समाचार

सतरूपा शीतला मंदिर में माता का जुड़वास कार्यक्रम आज

दुर्ग। सतरूपा शीतला मंदिर सिविल लाईन कसारीडीह में शहरवासियों की सुख, शांति, समृद्धि एवं समस्त प्रकार के रोगों के निवारण के लिए 7 जुलाई को देवी माँ सतरूपा शीतला माता के जुड़वास कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। जुड़वास कार्यक्रम सुबह 7 बजे प्रारंभ होगा। जिसमें माता शीतला का विशेष श्रृंगार एवं पूजा-अर्चना की जाएगी। यह समस्त धार्मिक कार्यक्रम मंदिर के मुख्य बैगा श्यामलाल यादव एवं मंदिर के मुख्य पुजारी पंडित धीरज शर्मा द्वारा सम्पन्न कराई जाएगी। यह जानकारी मां सतरुपा शीतला मंदिर सेवा समिति के अध्यक्ष रोमनाथ साहू ने देते हुए जुड़वास कार्यक्रम में श्रद्धालुओं से शामिल होने की अपील की है।

महीदही के प्राथमिक शाला में हुआ बालगठन

साजा (समय दर्शन)। शासकीय प्राथमिक शाला महीदही में सोमवार को नए शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए बाल संसद गठन का कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान शाला में अध्ययनरत बच्चों के बीच सामंजस्यपूर्ण बाल संसद में प्रधानमंत्री पद के लिए वैदिक साहू ,शिक्षा मंत्री लतेस, स्वास्थ्य एवं स्वछता मंत्री डालेश्वर साहू व रूपेश्वरी यादव,कृषि मंत्री एवं पर्यावरण मंत्री त्रिलोक साहू व कु फमेश्वरी, सुरक्षा एवं जनसंपर्क मंत्री एकेश्वर और लिलेश्वरी को बनाया गया। यह गठन सर्वसम्मति से बनाया गया जिसमें सभी के पद एवं कर्तव्यों की जानकारी देते हुए सभी पदाधिकारियों को अपनी-अपनी जवाबदेही को समझने को कहा गया। उपस्थित शिक्षक अशोक कुमार धुर्वे एवं गजानंद वैष्णव द्वारा बच्चो को बधाई और शुभकामनाएं दी गई। इस दौरान सभी विद्यार्थी मौजूद रहे।

जिला कुश्ती संघ दुर्ग की बैठक सम्पन्न

दुर्ग। दुर्ग जिला कुश्ती संघ दुर्ग की बैठक रविवार को महात्मा गांधी स्कूल प्रांगण मे हुई, जिसमे राज्य स्तरीय प्रतियोगिता आयोजन हेतु सर्व सम्मति स्व परित किया गया।उक्त बैठक् मे संघ पदाधिकारियों का चयन किया गया ।जिसमे अध्यक्ष शिव सागर सिंग, उपाध्यक्ष ऋषि कांत तिवारी, सचिव नागेंद्र शर्मा, कोषाध्यक्ष ललित साहू व कार्यकारणी सदस्य व आजीवन सदस्य व साधारण सदस्य चयन किया गया।उक्त संघ का आगामी बैठक शिला होटल मे रखा गया है। जिसमे राज्य स्तरीय प्रतियोगिता का सफ्लतापूर्वक आयोजन के सम्बन्ध मे चर्चा बैठक रखी गई है।

मुंगेली जिला भाजपा कार्यालय में डॉ श्यामाप्रसाद मुखर्जी की जयंती मनाई गई

मुंगेली (समय दर्शन) अटल परिसर जिला भाजपा कार्यालय में डॉ श्यामाप्रसाद मुखर्जी की जन्म जयंती मनाई गई। कार्यकर्ताओं ने श्रद्धासुमन अर्पित किया। इस अवसर पर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए प्रदेश भाजपा कार्यसमिति सदस्य गिरीश शुक्ला ने डॉ श्यामाप्रसाद मुखर्जी के जीवन चरित्र पर प्रकाश डालते हुए उनके मार्ग पर चलने की अपील की। जिला भाजपा अध्यक्ष दीनानाथ केशरवानी ने कहा कि डॉ श्यामाप्रसाद मुखर्जी ने राष्ट्रवाद की मिसाल कायम की। पूर्व जिलाध्यक्ष शैलेश पाठक ने कहा कि राष्ट्र उत्थान के लिए डॉ मुखर्जी ने संघर्ष किया और नई पीढ़ी को इस मार्ग पर चलने को प्रेरित किया। इस अवसर पर गिरीश शुक्ला, शैलेश पाठक, दीनानाथ केशरवानी, द्वारिका जायसवाल,किशोरीलाल केशरवानी, कोटूमल दादवानी, मिद्धूलाल यादव,नारायण शर्मा, मन्नू श्रीवास्तव, विजय यादव,सत्तू सिंह,सचिन यादव आदि उपस्थित रहे।

विद्यार्थियों के नेतृत्व में राष्ट्र निर्माण की प्रेरणा, स्थापना दिवस पर रायपुर में होंगे रचनात्मक आयोजन

रायपुर (समय दर्शन)। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की स्थापना 9 जुलाई 1949 को हुई थी, और तब से यह संगठन निरंतर देशहित एवं समाजहित में कार्य करता आ रहा है। विद्यार्थी परिषद छात्र समुदाय की समस्याओं के समाधान के लिए जहां एक ओर आंदोलनात्मक भूमिका निभाता है, वहीं दूसरी ओर समाज में सकारात्मक ऊर्जा और राष्ट्रवादी चेतना के लिए रचनात्मक कार्यक्रमों का आयोजन भी करता है। इसी क्रम में रायपुर महानगर में इस वर्ष भी 9 जुलाई को परिषद का स्थापना दिवस 'विद्यार्थी दिवस' के रूप में मनाया जा रहा है, जिसमें पाँच विविध रचनात्मक कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है जो छात्र जीवन के सर्वांगीण विकास को दृष्टिगत रखते हुए तय किए गए हैं। इस श्रृंखला की शुरुआत 7 जुलाई को पश्चिम भाग में आयोजित होने वाली सामाजिक समरसता मैराथन से होगी, जो पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय से आरंभ होकर आजाद चौक से वापस विश्वविद्यालय तक संपन्न होगी। इस मैराथन का उद्देश्य समाज में जाति, धर्म, वर्ग या आर्थिक स्थिति जैसे विभाजनों से ऊपर उठकर समरसता का संदेश देना है। विजेता प्रतिभागी को एक आकर्षक साइकिल पुरस्कार के रूप में भेंट की जाएगी। इसके बाद 9 एवं 10 जुलाई को दो दिवसीय खेल कुंभ का आयोजन रविशंकर विश्वविद्यालय के खेल मैदान में किया जाएगा, जिसमें विशेष रूप से भारतीय पारंपरिक खेलों जैसे कबड्डी, दौड़ आदि को प्रोत्साहित किया जाएगा। यह आयोजन विद्यार्थियों में शारीरिक फिटनेस, टीम भावना और खेल कौशल के विकास के लिए एक प्रभावी मंच बनेगा।

तीसरा प्रमुख कार्यक्रम उत्तर भाग में आयोजित होने वाला करियर काउंसलिंग

सप्ताह होगा, जो 10 जुलाई से 16 जुलाई तक विभिन्न स्कूलों में 10वीं और 12वीं के विद्यार्थियों के लिए मार्गदर्शन प्रदान करेगा। इस काउंसलिंग सत्र में विद्यार्थियों को विभिन्न करियर विकल्पों की जानकारी, उच्च शिक्षा की संभावनाएं और व्यक्तित्व विकास पर सलाह दी जाएगी। इसी दिन 10 जुलाई को एक बाइक रैली भी निकाली जाएगी, जो युवाओं को ऊर्जा और उद्देश्यपूर्ण दिशा देने का कार्य करेगी।

इसके अतिरिक्त, पूर्व भाग में 12 जुलाई को इंटर कॉलेज छात्र संसद का आयोजन किया जाएगा, जिसमें ए आई और टेक्नोलॉजी, विद्यार्थियों की दिशा, भारतीय शिक्षा व्यवस्था एवं सार्थक व आनंदमय छात्र जीवन जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर संवाद होगा। इस आयोजन में रायपुर के विभिन्न कॉलेजों के छात्र प्रतिनिधि अपने विचारों और सुझावों के माध्यम से एक सशक्त बौद्धिक विमर्श प्रस्तुत करेंगे। यह संसद छात्रों में चिंतनशीलता, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और नेतृत्व क्षमता को बढ़ावा देने का कार्य करेगी।

अंततः रायपुर महानगर स्तर पर कला महोत्सव का आयोजन किया जाएगा, जो स्कूली विद्यार्थियों को मंच प्रदान करेगा जहां वे अपनी छिपी हुई प्रतिभाओं को सामने ला सकें। इस कला महोत्सव में नृत्य, भाषण, चित्रकला, रंगोली, कविता, बॉडी आर्ट, स्टैंडअप कॉमेडी सहित विभिन्न विधाओं में विद्यार्थियों को अपनी कला का प्रदर्शन करने का अवसर मिलेगा। यह आयोजन छात्रों की सृजनात्मकता को पहचानने और निखारने का माध्यम बनेगा।

इस आयोजन के संबंध में अभाविप रायपुर महानगर मंत्री प्रथम राव फुटाने ने कहा – अभाविप का उद्देश्य केवल छात्र हितों की रक्षा करना नहीं है, बल्कि छात्रों को राष्ट्र निर्माण की यात्रा में भागीदार बनाना है। इस स्थापना दिवस पर आयोजित कार्यक्रमों के माध्यम से हम छात्रों को नेतृत्व, रचनात्मकता और सामाजिक जिम्मेदारी के मार्ग पर प्रेरित करना चाहते हैं। रायपुर में होने वाले ये आयोजन न केवल छात्रों में उत्साह भरेंगे बल्कि उन्हें एक विचारशील, कर्मशील और संस्कारित नागरिक बनने की दिशा में अग्रसर करेंगे।

केंवट एवं ढीमर समाज गुरुर द्वारा आयोजित शपथ ग्रहण एवं भवन लोकार्पण में शामिल हुए विधायक निषाद

भानुप्रताप साहू/ बालोद। बालोद के गुरुर में तहसील निषाद (केंवट) एवं ढीमर समाज गुरुर द्वारा आयोजित शपथ ग्रहण एवं भवन लोकार्पण में कुंवर सिंह निषाद गुंडरदेही विधायक एवं प्रदेश अध्यक्ष छत्तीसगढ़ निषाद केंवट समाज, भैया राम सिन्हा पूर्व विधायक संजारी बालोद, राजेंद्र निषाद जिला अध्यक्ष निषाद समाज बालोद शामिल होकर भगवान श्री रामचंद्र जी की छायाचित्र पर फूलमाला अर्पित कर पूजा अर्चना कर नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को शपथ दिलाया गया। विधायक कुंवर सिंह निषाद ने सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को समाज के संविधान के अनुरूप काम करने के निर्देश दिए। साथ ही सभी पदाधिकारियों को बधाई दी। समाज हित में काम करने और एकजुटता का परिचय देते हुए

समाज को जोड़ने के लिए कहा है। उम्मीद है कि सभी नव नियुक्त पदाधिकारी अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन करेंगे। साथ ही विधायक निषाद ने सभी पदाधिकारियों को टीम बनाने के निर्देश दिए। निषाद समाज को सामाजिक राजनीतिक व आर्थिक मजबूती के लिए कार्य करना है। जब तक समाज में शिक्षा व संस्कार नहीं बढ़ेगा तब तक समाज आगे नहीं बढ़ पाएगा। समाज के सभी कार्यक्रम में हमारे समाज के महान व्यक्तियों का संस्मरण करना चाहिए। समाज में व्याप्त कुरीतियों का त्याग कर सामाजिक एवं राष्ट्रीय मुख्य धारा से जुड़े। इस अवसर पर तहसील निषाद समाज के समस्त पदाधिकारी, क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि, परिक्षेत्र अध्यक्ष, सामाजिक जन सहित महिलाएं भारी संख्या में उपस्थिति रही।

ग्राम पंचायत बरगा को मिला नया पानी टैंकर विधायक ईश्वर साहू ने दी सौगात

साजा (समय दर्शन)। साजा विधायक ईश्वर साहू द्वारा ग्राम पंचायत बरगा को नवीन जल टैंकर प्रदान किया गया। यह टैंकर वित्तीय वर्ष 2025-26 के अंतर्गत जिला खनिज न्यास मद से स्वीकृत किया गया है। रविवार को आयोजित कार्यक्रम में विधिवत रूप से इस टैंकर का लोकार्पण किया गया।

इस अवसर पर विधायक ईश्वर साहू सहित नगर पंचायत अध्यक्ष हिमांशु साहू व अन्य जनप्रतिनिधि विशेष उपस्थित रहे। ग्रामीणजनों एवं पंचायत प्रतिनिधियों ने इस जनहितकारी पहल के लिए विधायक साहू का हृदय से धन्यवाद ज्ञापित किया। ग्राम पंचायत बरगा की सरपंच नंदकुमारी ठाकुर, उपसरपंच पुन्नी कमलेश साहू, ग्राम पटेल राजकुमार साहू, तथा पंचगण सरोज साहू, मंजु माण्डे, कुमारी बाई, जानकी साहू, मंगतु यादव, श्रवण कुमार, अशोक साहू, भारती वर्मा, रेखा साहू और जोहन पाल सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे और इस पहल का स्वागत किया। ग्रामीणों ने कहा कि गर्मी के मौसम में पेयजल संकट से जूझते क्षेत्र के लिए यह टैंकर एक महत्वपूर्ण राहत सिद्ध होगा।

दुर्घटनाओं पर लगेगा ब्रेक : पुलिस विभाग की पहल पर ओवरब्रिज पर लगाए गए रेलिंग बेरीकेट

राजनांदगांव। शहर की लाइफलाइन माने जाने वाले चिखली-खैरागढ़ रोड स्थित रेलवे ओवरब्रिज पर अब दुर्घटनाओं पर रोक लगेगी। नगर पुलिस व सार्वजनिक समिति दीनदयाल नगर चिखली के संयुक्त प्रयास से लोहे के मजबूत रेलिंग बेरीकेट लगाकर सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ किया गया है। बीते समय में ओवरब्रिज पर बढ़ते ट्रैफिक के कारण दुर्घटनाओं की संख्या में इजाफा हो रहा था। इस स्थिति को देखते हुए नगर पुलिस अधीक्षक पुष्पेंद्र नायक की अगुवाई में सुरक्षा के लिए यह ठोस कदम उठाया गया।

रविवार दोपहर 2 बजे हुए आयोजन में ओवरब्रिज पर 10 लोहे के रेलिंग बेरीकेट लगाए गए। इस अवसर पर नगर पुलिस अधीक्षक पुष्पेंद्र नायक, चिखली थाना प्रभारी उमेश बघेल, वर्तमान चिखली प्रभारी अरुण नामदेव, शिवशक्ति समिति अध्यक्ष शेखर ठाकुर, अभिषेक दूबे, मनोज जैन, समारू मेजर सहित कई सामाजिक कार्यकर्ता एवं पुलिस विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे। रेलिंग लगाए जाने से तेज रफ्तार वाहनों की गति पर नियंत्रण रहेगा तथा पैदल चलने वालों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सकेगी। जल्द ही सीसीटीवी कैमरे भी ओवरब्रिज पर लगाए जाएंगे, ताकि हर गतिविधि पर नजर रखी जा सके। इस पहल की शहरवासियों ने जमकर सराहना की। लोगों ने सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करने और ओवरब्रिज पर धीमी गति से वाहन चलाने का आश्वासन भी दिया। नगर पुलिस अधीक्षक पुष्पेंद्र नायक ने कहा कि, लोगों की जानमाल की सुरक्षा सर्वोपरि है, और इस तरह के सहयोग से ही सुरक्षित शहर का निर्माण संभव है। पुलिस विभाग ने स्पष्ट किया कि इस अभियान को भविष्य में भी जारी रखा जाएगा और अन्य संवेदनशील स्थलों पर भी इसी तरह की रेलिंग व निगरानी व्यवस्था स्थापित की जाएगी। जनता से अपील है कि वे इस सुरक्षा मुहिम में प्रशासन का सहयोग करें और अपने कर्तव्यों के प्रति सजग रहें।

देवरबीजा के स्कूल में एकदिवसीय प्रशिक्षण सम्पन्न, हुई अहम बातें

साजा (समय दर्शन)। शनिवार को सरस्वती ज्ञान मंदिर हाईस्कूल देवरबीजा में एकदिवसीय शिक्षक-शिक्षिकाओं का प्रशिक्षण रखा गया। प्रशिक्षण के पूर्व संस्था प्राचार्य पुष्पराज सेन एवं स्टॉफ के सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं ने दीप प्रज्ज्वलित कर मां सरस्वती के छायाचित्र पर पुष्प अर्पित किये। तत्पश्चात् सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं को नए शैक्षणिक सत्र 2025-26 में कक्षा नर्सरी से दसवीं तक के विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए अहम जानकारी प्रदान की गई। जिसमें सभी विद्यार्थियों के समुचित रूप से आय,जाति एवं निवासी प्रमाण पत्र बना हुआ हो। जिन विद्यार्थियों की बांकी हो कक्षा शिक्षक-शिक्षिकाएं इस कार्य को अनिवार्य रूप से कराने में सहयोग प्रदान करें। सभी विद्यार्थियों को अच्छी शिक्षा मिलें जिसमें कक्षा कार्य, गृह कार्य, कोर्स लिखाना, व्याकरण की जानकारी एवं छोटे बच्चों समेत सभी विद्यार्थियों से अच्छा व्यवहार रखने की बातें कही गई। प्रशिक्षण में कहा गया कि विद्यार्थियों को पाठ्य पुस्तकें की जानकारी के साथ-साथ मातृ देवो भव, गुरु देवों महेश्वर: जैसे तमाम प्रकार की नैतिक शिक्षा की जानकारी देना चाहिए। क्योंकि जिंदगी का अहम् हिस्सा एक-दूसरे का मान-सम्मान होता है। प्रशिक्षण में संस्था प्राचार्य पुष्पराज सेन शिक्षिकाएं सतरूपा सेन,मिथला यादव, शर्मिला टंडन, मनीषा साहू, कीर्ति कश्यम,संगीता ध्रुव,प्रभा दुबे,अंकिता पात्रे,नेहा साहू, राजेश्वरी गहरवार,तीजन यादव, मुस्कान तिवारी,सुमन लसेल, अम्बालिका तिवारी, चित्रारेखा देवांगन,देविका अंगीरा प्रशिक्षण में उपस्थित रहे।

अल्ट्राटेक कंपनी के सीमेंट मे फ्लाई एस मिलावट कर बेचने वाले के विरूद्ध अर्जुन्दा पुलिस की कार्यवाही

आरोपी के कब्जे से बड़ी मात्रा मे अल्ट्राटेक कंपनी का मिलावटी जप्त

बालोद (समय दर्शन)। प्रार्थी विशाल मंडल पिता सत्यनारायण मंडल 1 अनाद बाबू बजार लेन, कलकत्ता, थाना बुरतोल्ला जिला उत्तर कलकत्ता (पश्चिम बंगाल) जो मेसर्स अल्ट्राटेक सीमेंट लिमि0 कंपनी के सामनों की देखरेख करना व जांच पड़ताल करने फिल्ड ऑफिसर के पद पर कार्यरत है। ने 4 जुलाई को थाना अर्जुन्दा मे सूचना दिया की ग्राम मोहदीपाट थाना अर्जुन्दा में स्थित वैभव ट्रेडर्स के संचालक विजय चन्द्र धाक के द्वारा अपनी फ्लाई एस ब्रिक्स कंपनी गब्दी मे अल्ट्राटेक कंपनी का मार्का लगाकर मिलावटी सिमेंट बनाता तथा बेचता है।

सूचना तस्दिक हेतु तत्काल पुलिस अधीक्षक जिला बालोद योगेश पटेल के निर्देशन व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमति मोनीका

ठाकुर व पुलिस अनुविभागीय अधीकारी राजेश बागडे अनुविभाग गुण्डरदेही के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी अर्जुदा उप निरीक्षक जोगेन्द्र साहू के नेतृत्व में टीम गठीत किया गया।

गठीत टीम के द्वारा गवाहो एवं प्रार्थी को साथ लेकर ग्राम मोहदीपाट स्थित वैभव ट्रेडर्स में रेड कार्यवाही किया गया।दुकान में 25 बैग अल्ट्राटेक कंपनी का सीमेंट मिला जिसे कंपनी के फिल्ड ऑफिसर विशाल मंडल के द्वारा मिलावटी होना पुष्टि किया गया।

जिस संबंध मे ट्रेडर्स के संचालक विजय चन्द्र धाक से पुछताछ किया गया जो संतुष्टिप्रद जवाब नहीं दे पाया। विजय चन्द्र धाक को साथ लेकर ग्राम गब्दी स्थित उनके फ्लाई एस ईट बनाने की धाक नामक कंपनी मे रेड कार्यवाही किया गया, जहां पर बड़ी मात्रा में फ्लाई एश, अल्ट्राटेक कंपनी का मार्का इस्तेमाल कर पैकिंग किया गया सीमेंट बैंग, सीमेंट में फ्लाई एश मिलाने का मशीन तथा अल्ट्राटेक कंपनी लिखा हुआ खाली बैग बरामद किया गया। आरोपी विजय चन्द्र धाक पिता खेदुराम धाक उम्र 62 साल साकिन मोंहदीपाठ के विरूद्ध थाना अर्जुन्दा मे अपराध क्रमांक 106/2025 धारा 318(4) बी.एन.एस., 63,65 कापी राइट एक्ट पंजीबद्ध कर ज्युडिशियल रिमाण्ड पर भेजा गया। संपुर्ण कार्यवाही में उप निरीक्षक जोगेन्द्र साहू थाना प्रभारी अर्जुन्दा, प्र0आर0 छत्रपाल डहरिया, आर0 दमन वर्मा, आर0 पंकज तारम, आर0 उमेश पाण्डेय, आर0 तेजराम साहू, आर0 अंकेश्वर श्रीवास की सराहनीय भुमिका रहा।आरोपी से अल्ट्राटेक कंपनी का मार्का इस्तेमाल कर पैकिंग किया हुआ 584 बैग मिलावटी सीमेंट,जिसकी कीमत 1,69,330 रूपया और सीमेंट मिलावट करने का प्लास्टिक का टब, पाईप, लोहे का एंगल जप्त किया गया।

खनिज अन्वेषण में छत्तीसगढ़ को प्राथमिकता देने की मांग

छत्तीसगढ़ केवल धान का कटोरा नहीं, ऊर्जा और खनिज संपदा की रीढ़: बृजमोहन

रायपुर (समय दर्शन)। रायपुर सांसद और वरिष्ठ भाजपा नेता बृजमोहन अग्रवाल ने कहा है कि छत्तीसगढ़ न सिर्फ धान का कटोरा है, बल्कि देश की ऊर्जा और औद्योगिक ज़रूरतों की रीढ़ भी है। उन्होंने राज्य के खनिज संसाधनों के बेहतर उपयोग के साथ स्थानीय युवाओं को रोज़गार, क्षेत्रीय विकास और राष्ट्रीय हित को केंद्र में रखने की बात कही।

वे हैदराबाद में आयोजित कोयला एवं खान मंत्रालय की परामर्शदात्री समिति की बैठक में बोल रहे थे। बैठक में केंद्रीय कोयला मंत्री श्री जी. किशन रेड्डी, राज्य मंत्री सतीश चंद्र दुबे और मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे।

बंद खदानों की सुरक्षा व पुनः उपयोग पर जोर

बृजमोहन अग्रवाल ने छत्तीसगढ़ की परित्यक्त खदानों को जन-जीवन के लिए खतरा बताया और सरकार से इन बिंदुओं पर त्वरित कार्रवाई की मांग की कि बंद खदानों की घेराबंदी कर उन्हें फ्लाई ऐश और ओवरबर्डन से भरा जाए। एनटीपीसी संयंत्रों से निकलने वाले फ्लाई ऐश को एसईसीएल की बंद खदानों में भरने के लिए एनओसी तत्काल जारी की जाए। फ्लाई ऐश से भरी जमीन को कृषि के लिए किसानों को लीज पर दिया जाए। दुर्ग के धमदा में हाल ही में हुई खदान दुर्घटना को उदाहरण देते हुए, उन्होंने इस उपेक्षा को जानलेवा बताया।

खनिज चोरी और निगरानी पर चिंता

सांसद अग्रवाल ने कोयला चोरी को गंभीर चिंता का विषय बताते हुए सुझाव दिया कि हर खदान में डाटा निगरानी प्रणाली स्थापित की जाए। सभी वजन पुलों का संचालन किसी अधिकृत एजेंसी के अधीन हो। खनन क्षेत्रों में अनिवार्य वृक्षारोपण के साथ पर्यावरणीय संतुलन सुनिश्चित किया जाए।

खनन क्षेत्र में बुनियादी सुविधाओं की जरूरत

उन्होंने सुझाव दिया कि खनन प्रभावित क्षेत्रों में निम्नलिखित सुविधाएं अनिवार्य की जाएं:

स्कूल, आईटीआई, कोचिंग सेंटर

अस्पताल और जल शोधन संयंत्र

CSR फंड से कोयला सलाहकार समिति के सदस्यों को सशक्त किया जाए, ताकि वे क्षेत्रीय विकास में सीधे भागीदार बन सकें

बैठक के दूसरे सत्र में उन्होंने कहा कि गरियाबंद के पायलीखंड और जशपुर के तुमला क्षेत्र में हीरे के समृद्ध भंडार हैं। राज्य में अलेक्जेंड्राइट, गार्नेट, बेरिल, क्वार्ट्ज़, एमेथिस्ट जैसे बहुमूल्य रत्नों के साथ लीथियम जैसे आधुनिक खनिज की भी भारी संभावनाएं हैं। छत्तीसगढ़ में माइनिंग ब्यूरो की स्थापना की जाए। GSI (भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण) और NMDC के क्षेत्रीय कार्यालय खोले जाएं

स्थानीय युवाओं को लाभ मिले, पर्यावरण भी बचे

बृजमोहन अग्रवाल ने कहा, राज्य की खनिज संपदा का उपयोग स्थानीय युवाओं को रोजगार देने, क्षेत्रीय समृद्धि और राष्ट्रीय ऊर्जा सुरक्षा के लिए होना चाहिए — वो भी पर्यावरणीय संतुलन के साथ।

बैठक में यह सहमति बनी कि बंद खदानों को सुरक्षित और पुनः उपयोग योग्य बनाने के लिए राज्य सरकार को निर्देशित किया जाएगा। इसके लिए पत्र भेजा जाएगा और ठोस कार्ययोजना तैयार की जाएगी।

संक्षिप्त समाचार

सीएम साय ने वॉटर वुमन शिप्रा पाठक को सम्मानित किया

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से शुक्रवार को मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाली 'वॉटर वुमन' के नाम से विख्यात शिप्रा पाठक ने भेंट की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री साय ने शिप्रा पाठक के पर्यावरण संरक्षण और विशेष रूप से सिंदूर पौधरोपण को जन-जन तक पहुंचाने में उनके महत्वपूर्ण योगदान की सराहना की। उन्होंने शिप्रा पाठक को शॉल और स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। उल्लेखनीय है कि शिप्रा पाठक ने पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता और समाज में जागरूकता फैलाने के लिए किए गए कार्यों के लिए व्यापक स्तर पर पहचान प्राप्त की है। उनके नेतृत्व में पौधरोपण अभियान ने न केवल पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा दिया है, बल्कि आम लोगों को पेड़ लगाने और पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी निभाने के लिए प्रेरित भी किया है इस अवसर पर बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर केंद्रीय विश्वविद्यालय, लखनऊ के प्रोफेसर हरिशंकर सिंह भी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि शिप्रा पाठक के पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में किए गए कार्य समाज के लिए प्रेरणा का स्रोत हैं। उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि छत्तीसगढ़ सरकार पर्यावरण संरक्षण के लिए निरंतर कार्य कर रही है और ऐसे प्रयासों को हर संभव सहयोग प्रदान किया जाएगा।

युक्तियुक्तकरण से बदली खपराखोल की तस्वीर, शिक्षकविहीन स्कूल में लौटी रौनक

शिक्षकों की नियुक्ति से ग्रामीणों में उत्साह

रायपुर (समय दर्शन)। शिक्षकविहीन स्कूलों की चिंता अब बीते दिनों की बात हो चली है। राज्य शासन द्वारा लागू की गई युक्तियुक्तकरण नीति ने गांव-गांव में शिक्षा की नई उम्मीद जगाई है। बिलासपुर जिला के कोटा विकासखंड का सुदूरवर्ती गांव खपराखोल भी अब इस बदलाव का साक्षी बन गया है। वर्षों से शिक्षकविहीन इस गांव के शासकीय प्राथमिक शाला को अब नियमित शिक्षक मिल चुके हैं, जिससे ग्रामीणों और पालकों में खुशी की लहर है। युक्तियुक्तकरण प्रक्रिया के तहत खपराखोल शाला में अशोक क्षत्री और सुनील सिंह पैकरा की पदस्थापना की गई है। इससे पहले इस विद्यालय में नियमित शिक्षक नहीं थे और आसपास के स्कूलों से वैकल्पिक व्यवस्थाओं से पढ़ाई का काम चलाया जा रहा था। नई पदस्थापना के साथ ही विद्यालय में शिक्षा की लौ फिर से प्रज्वलित हो उठी है।

नवनियुक्त शिक्षकों ने पदभार ग्रहण करते ही विद्यालय में जान फूंक दी। उन्होंने न केवल कक्षाओं का संचालन शुरू किया, बल्कि गांव में घर-घर जाकर पालकों को बच्चों को स्कूल भेजने के लिए प्रेरित भी किया। परिणामस्वरूप, वर्तमान में विद्यालय में 46 विद्यार्थी नियमित रूप से अध्ययनरत हैं और इस वर्ष 7 नए बच्चों ने स्कूल में प्रवेश लिया है। विद्यालय में अब बच्चों की हँसी, पाठों की गूंज और सीखने की ललक स्पष्ट रूप से देखी जा सकती है।

शिक्षकों की नियुक्ति से केवल बच्चों का ही नहीं, बल्कि पूरे गांव का उत्साह बढ़ा है। पालक मेलूराम जगत ने बताया कि उनकी बेटी तीसरी कक्षा में पढ़ रही है और अब शिक्षक नियमित रूप से पढ़ा रहे हैं जिससे उन्हें बच्चों के भविष्य की चिंता नहीं है। इसी तरह सुखसागर मरावी, मनहरण दास मानिकपुरी और मंगलिन नेताम ने भी मुख्यमंत्री के प्रति आभार जताया और कहा कि खपराखोल जैसे छोटे और दूरस्थ गांव की चिंता कर शासन ने एक सराहनीय कार्य किया है।

छात्राएं आंचल, कुमकुम और भूमिका ने भी बताया कि उन्हें पढ़ाई में अब बहुत मजा आ रहा है और शिक्षक उन्हें बहुत अच्छे से पढ़ाते हैं। विद्यालय का परिवेश अब शिक्षण के अनुकूल हो चुका है और बच्चे पूरे मन से पढ़ाई में जुटे हुए हैं।

खपराखोल की यह कहानी केवल एक गांव की नहीं, बल्कि राज्य में शिक्षा के क्षेत्र में सकारात्मक बदलाव की प्रतीक

राजभवन के अधिकारियों को स्थानांतरण पर दी गई बिदाई

रायपुर (समय दर्शन)। राज्यपाल रमेन डेका ने प्रेस अधिकारी श्रीमती हर्षा पौराणिक और सहायक लेखाधिकारी मनीष पाण्डेय के स्थानांतरण पर उन्हें नये दायित्वों तथा उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। राज्यपाल ने कहा कि शासकीय सेवा के दौरान स्थानांतरण एक प्रक्रिया है जिससे हर शासकीय सेवक को गुजरना पड़ता है। जहां भी कार्य करें अपना सर्वश्रेष्ठ दें। शासकीय दायित्वों के साथ अपने परिवार को भी समय दें।

राजभवन के अधिकारियों को स्थानांतरण पर दी गई बिदाई- राज्यपाल के सचिव डॉ. सी.आर प्रसन्ना ने कहा कि आज सोशल मीडिया के दौर में जनसंपर्क का कार्य एक महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। साथ ही राजभवन के लेखाजोखा का कार्य भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। दोनों अधिकारियों द्वारा अपने दायित्वों का निर्वहन कुशलता पूर्वक किया गया। उन्होंने नये दायित्वों के लिए दोनों को बधाई दी। इस अवसर पर राज्यपाल के विधिक सलाहकार भीष्म प्रसाद पाण्डेय, उप सचिव श्रीमती हिना अनिमेष नेताम सहित राजभवन के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

तीन दशकों बाद हुई शिक्षकों की कमी दूर

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा लागू युक्तियुक्तकरण नीति से गांव के स्कूलों की रौनक बढ़ गई है। स्कूली बच्चे भी अब खुशी-खुशी स्कूल जा रहे हैं। ग्रामीणों ने बताया कि लंबे समय से एकल शिक्षकीय शालाओं में अब दो-दो शिक्षकों की पदस्थापना से बच्चों की पढ़ाई अब बेहतर हो गई है। 3 दशकों से महासमुंद जिले के प्राथमिक शाला मुडियाडीह (पासीद) और प्राथमिक शाला नाँदबारू शाला एक शिक्षकीय थी। ग्रामीणों ने बताया कि तीन दशकों से इन विद्यालयों में एकमात्र शिक्षक के भरोसे शिक्षा व्यवस्था चल रही थी। सीमित संसाधनों और भारी जिम्मेदारियों के बावजूद शिक्षकगण पूरी निष्ठा से कार्य करते रहे, लेकिन कई शैक्षणिक गतिविधियाँ प्रभावी ढंग से संचालित नहीं हो पा रही थीं। प्राथमिक शाला मुडियाडीह (पासीद) और प्राथमिक शाला नाँदबारू, जो 1994-95 से एकल शिक्षक विद्यालय के रूप में संचालित हो रहे थे। सत्र 2024-25 में छत्तीसगढ़ शासन की युक्तियुक्तकरण प्रक्रिया के तहत इन विद्यालयों को पहली बार दो-दो शिक्षक मिले हैं। यह केवल एक प्रशासनिक निर्णय नहीं था, बल्कि इन विद्यालयों के लिए शैक्षणिक परिवर्तन का सकारात्मक पल था। दूसरे शिक्षक के आने से बच्चों के चेहरे पर नई ऊर्जा और उत्साह देखने को मिल रहा है। यहां पढ़ाई अब नियमित और व्यवस्थित हुई है। इसके अलावा खेलकूद, सांस्कृतिक, गतिविधियों पर भी ध्यान दिया जा रहा है।

प्रदेश में बिना परमिट ही दौड़ा रहे 1143 वाहन, अब भेजा गया नोटिस

रायपुर (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ की सड़कों पर इस समय हजारों ऐसी यात्री बसें दौड़ रही हैं, जिनका परमिट साल-दो साल या बरसों पहले खत्म हो गया है। परिवहन विभाग ने इस तरह बिना वैध परमिट चल रही 1 हजार 114 बसों के संचालकों, मालिकों को नोटिस जारी किया है। इन गाड़ी वालों के खिलाफ अब कार्रवाई होगी। या तो इन्हें नवीनीकरण कराना होगा या परमिट रद्द किया जाएगा। इस पूरे मामले को लेकर सवाल ये भी है कि परिवहन विभाग की जांच चौकियां (नाके) और उड़न दस्तें क्यों इन वाहनों को बेजा तरीके से चलने से रोक नहीं पाए हैं।

पांच साल में नवीनीकरण का है नियम- मोटरयान अधिनियम की धारा 87 के अधीन जारी अस्थायी परमिट या धारा 88 की उपधारा (8) के अधीन जारी विशेष परमिट से भिन्न कोई परमिट उसके जारी होने या नवीनीकरण की तारीख से पांच वर्ष की अवधि के लिए प्रभावी होगा। इसका मतलब ये है कि परमिट पांच वर्ष के लिए होगा, उसके बाद नवीनीकरण कराना होगा। नियम में साफ है कि परमिट की समाप्ति की तारीख से कम से कम पंद्रह दिन पूर्व आवेदन करने पर उसका नवीनीकरण किया जा सकेगा।

सरकार को राजस्व की क्षति- परिवहन विभाग राज्य के लिए राजस्व जुटाने वाला एक अत्यंत महत्वूर्ण अमला है, लेकिन परमिट खत्म होने के बाद भी गाड़ियों के संचालन से विभाग को राजस्व की क्षति हो रही है। हर नवीनीकरण के लिए उतनी ही राशि लगती है, जितनी परमिट जारी करने के लिए लगती है। इस हिसाब से राज्य शासन को इससे करोड़ो रुपयों की इस हिसाब से राज्य शासन को इससे करोड़ो रुपयों की क्षति का अनुमान है।

ये है मामला- इस संबंध में परिवहन विभाग ने संबंधित बस संचालकों को नोटिस जारी किया है। दरअसल इन वाहनों के मालिकों को नियमानुसार मोटरयान अधिनियम 1988 1 धारा 81 में विहित प्रावधानों के तहत परमिट का नवीनीकरण कराना था। लेकिन इस एक्ट का उल्लंघन करने के आरोप में नोटिस दिया गया है। यही नहीं विभाग ने सभी वाहनों के नंबर, मालिकों या ट्रांसपोर्ट के नाम के साथ एक नोटिस के साथ सूची भी जारी कर दी है।

फुंडरी पुल - विकास का प्रवेश द्वार: उपमुख्यमंत्री शर्मा

रायपुर (समय दर्शन)। उपमुख्यमंत्री एवं गृह मंत्री श्री विजय शर्मा ने बीजापुर जिले के एक दिवसीय प्रवास के दौरान भैरमगढ़ विकासखंड अंतर्गत ग्राम फुंडरी में इंद्रावती नदी पर निर्माणाधीन उच्च स्तरीय पुल का स्थल निरीक्षण किया। इस पुल का निर्माण कार्य अंतिम चरण में है, किंतु अभी दो पिलर का कार्य शेष है। निरीक्षण के दौरान उपमुख्यमंत्री ने निर्माण एजेंसी और संबंधित विभागीय अधिकारियों से अब तक की प्रगति, निर्माण में हुई देरी के कारणों और आगामी कार्ययोजना की विस्तृत जानकारी ली। उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने अधिकारियों को स्पष्ट शब्दों में निर्देश दिए कि कार्य में विलंब अब किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं है।

उन्होंने कहा कि यह पुल बीजापुर और नारायणपुर जिले के बीच आवागमन का एक महत्वपूर्ण संपर्क बिंदु बनेगा और इसके पूर्ण होने से क्षेत्र के लाखों लोगों के जीवन में परिवर्तन आएगा। उन्होंने पुल निर्माण कार्य को जनसेवा से जुड़ी प्राथमिकता बताते हुए कहा कि किसी भी कीमत पर इसे एक निर्धारित समयसीमा में गुणवत्तापूर्वक पूर्ण किया जाना चाहिए। उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कहा कि यह पुल केवल एक भौतिक संरचना नहीं, बल्कि बीजापुर और नारायणपुर जिले के हजारों ग्रामीणों के लिए जीवन रेखा है।

इस पुल के माध्यम से जहाँ आवागमन की सुविधा सुलभ होगी, वहीं शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाएं जैसे राशन, स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार, एवं सामाजिक सुरक्षा दूरस्थ क्षेत्रों के लोगों तक तेज़ी से पहुँच पाएंगी। उन्होंने बताया कि पुल के बन जाने से बीजापुर और नारायणपुर के मध्य की दूरी में उल्लेखनीय कमी आएगी। इससे बीजापुर के ग्राम पंचायत बांगोली, बैल, ताकिलोड़, मर्रामेटा, इतामपारा सहित नारायणपुर के गांव डुंगा, थुरथली, रेखावाया, पिड़ियाकोट के लगभग 13,000 से अधिक ग्रामीणों को सीधा लाभ मिलेगा।

41 वर्षों की सेवा के बाद सेवानिवृत्त हुए

वरिष्ठ चिकित्सा शिक्षक डॉ. अरविन्द नेरल को दी गई विदाई

रायपुर (समय दर्शन)। पं. जवाहरलाल नेहरू स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय, रायपुर के वरिष्ठतम शिक्षक डॉ. अरविन्द नेरल को सेवानिवृत्ति के अवसर पर कॉलेज और मेडिकल टीचर्स एसोसिएशन की ओर से अटल बिहारी वाजपेयी सभागार में एक भावुक विदाई समारोह आयोजित किया गया।

डॉ. नेरल ने 41 वर्षों तक संस्थान में पैथोलॉजी विभाग सहित फॉरेन्सिक मेडिसिन और माइक्रोबायोलॉजी जैसे तीन विभागों का नेतृत्व करते हुए उल्लेखनीय सेवाएं दीं। वे 31 वर्ष की उम्र से विभागाध्यक्ष रहे और 65 वर्ष की आयु तक सतत रूप से शिक्षा और चिकित्सा सेवा में संलग्न रहे।

रक्तदानवीर और प्रेरणादायक व्यक्तित्व

अपने करियर में 126 बार रक्तदान कर 44 लीटर रक्त देने वाले डॉ. नेरल को 'रक्तदानवीर' के रूप में जाना जाता है। एड्स जागरूकता, कोविड-19 के दौरान सेवा और सामाजिक कार्यों के लिए उन्हें राज्य सरकार द्वारा सम्मानित भी किया गया।

विदाई समारोह में महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. विवेक चौधरी ने कहा, डॉ. नेरल सिर्फ एक शिक्षक नहीं, बल्कि संस्थान की आत्मा रहे हैं। उनके कार्यों की छाप आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा बनेगी।

संवेदनाओं से भरा समारोह

कार्यक्रम की शुरुआत डॉ. वर्षा पांडेय द्वारा प्रस्तुत एक भावनात्मक ऑडियो-विजुअल प्रस्तुति से हुई, जिसमें डॉ. नेरल के जीवन और सेवाओं को संजोया गया। कभी अलविदा ना कहना वीडियो ने पूरे माहौल को भावुक कर दिया।

अन्य शिक्षकों ने भी अपने संबोधन में डॉ. नेरल के व्यक्तित्व, कार्यशैली और संवेदनशील नेतृत्व को याद किया।

संस्थान को अंतिम उपहार

सेवानिवृत्ति के अवसर पर डॉ. नेरल ने अपने मातृ संस्थान को अनूठे उपहार दिए:

मरणोपरांत शरीरदान की शपथ, जिसे एनाटॉमी विभाग को सौंपा गया।

सरस्वती मूर्ति अधिष्ठाता कक्ष के लिए भेंट की।

डॉ. अरविन्द नेरल ट्रॉफी नाम से 9 रनिंग ट्रॉफियाँ, जो खेल, साहित्य और सांस्कृतिक गतिविधियों में श्रेष्ठ विद्यार्थियों को दी जाएंगी।

अंतिम शब्दों में संकल्प

विदाई समारोह में डॉ. नेरल ने कहा, जिन्दगी का अंतिम दिन ही मेरा अंतिम क्रियाशील दिन होगा। उनके ये शब्द सभागार में उपस्थित हर व्यक्ति को भीतर तक छू गए।

संस्थान ने उन्हें शॉल, श्रीफल, प्रतीक चिन्ह और स्मृति चिन्हों के साथ ससम्मान विदा किया। उनका योगदान आने वाले समय में भी प्रेरणा का स्रोत बना रहेगा।

संपादकीय

आप काफी उत्साहित

चार राज्यों की पांच विधानसभा सीटों पर हुए उपचुनाव के नतीजों को लेकर आम आदमी पार्टी (आप) काफी उत्साहित नजर आई। गुजरात की विसावदर सीट से गोपाल इटालिया व पंजाब की लुधियाना पश्चिम सीट पर जीते संजीव अरोड़ा, दोनों आप के उम्मीदवार हैं। केरल में नीलांबुर सीट कांग्रेसनीत यूडीएफ ने सत्तारूढ़ वाम लोकतांत्रिक मोर्चा को पछाड़ कर जीत हासिल की। सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी से गुजरात की कड़ी सीट बरकरार रखते हुए राजेंद्र चावड़ा को जीत दिलाई। तृणमूल कांग्रेस ने पश्चिम बंगाल के नदिया जिले की कालीगंज विधानसभा सीट पर पुनः कब्जा किया। भाजपा के आशीष घोष को यहां अलीफा अहमद ने हराया। सभी पांचों सीटों पर इसी माह की 19 तारीख को मतदान हुए थे। इनमें लुधियाना के चुनाव पर विशेषज्ञों की कड़ी नजर थी। क्योंकि अरोड़ा राज्य सभा सांसद हैं। जहां से वे इस्तीफा देंगे। विपक्ष का दावा था कि इस खाली हुई सीट से अरविंद केजरीवाल उच्च सदन जा सकते हैं। बहरहाल उन्होंने इस सवाल को टालते हुए कहा कि यह फैसला आप की राजनीतिक मामलों की कमेटी लेगी। इसके बाद कयास मनीष सिसोदिया को भेजने का है। हालांकि लंबी जेल भुगतने वाले सत्येंद्र जैन को भी दावेदार माना जा रहा है। मतगणना के वक्त कालीगंज के बाराचंदगर इलाके में हुए विस्फोट में नौ साल की बच्ची की मौत से उपजा मसला अभी शांत नहीं हुआ है। हालांकि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने दोषियों के खिलाफ कार्रवाई का आासन फौरन ही दिया। हालांकि उपचुनाव को लेकर राजनीतिक दलों ने काफी उदासीनता बरती। मगर भाजपा शीर्ष को गंभीरता से विचार करने की जरूरत है। क्योंकि प. बंगाल को लेकर वे ममता सरकार पर जिस तरह की तोहमतें लगाते रहे हैं। उसका नतीजा सबक लेने वाला है। जिसमें भाजपा को भारी मतों से मात मिली है। गुजरात और पंजाब में 2027 में विधानसभा होने हैं, यहां दोगुने अंतर से मिली जीत को केजरीवाल सेमीफाइनल के तौर पर देख रहे हैं। दोनों जगह मिली हार की नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने पद से इस्तीफा देते हुए इसे पार्टी की हार की बजाए अपनी विफलता बताकर दांव चलने कोशिश की। इस पर कांग्रेस कौन सी करवट लेती है, यह भी स्पष्ट होना जरूरी है। फिलवक्त कहा जाना चाहिए कि जनता आम से लेकर विधानसभा चुनाव के दरम्यान चौंकाने वाले निर्णय ले सकती है। जो उपचुनावों को सेमी फाइनल नहीं मानती।

हर्बल और आयुर्वेदिक उत्पादों का प्रमुख केंद्र बनेगा छत्तीसगढ़

जी.एस. केशरवानी

छत्तीसगढ़, भारत में हर्बल और आयुर्वेदिक उत्पादों के प्रमुख केंद्र के रूप में उभरने जा रहा है। मध्य भारत की सबसे बड़ी और सबसे आधुनिक केंद्रीय प्रसंस्करण इकाई भी दुर्ग जिले के जामगांव (एम) में स्थापना की गई है। यहां राज्य के वनों में उपलब्ध लघु वनोपजों का स्थानीय स्तर पर प्रसंस्करण किया जाएगा। इस इकाई में हर वर्ष लगभग 50 करोड़ रुपए के आयुर्वेदिक औषधीय उत्पादों का उत्पादन एवं प्रसंस्करण किया जाएगा। यह प्रसंस्करण केंद्र छत्तीसगढ़ राज्य लघु वनोपज सहकारी संघ द्वारा निर्मित किया गया है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के वोकल फॉर लोकल और आत्मनिर्भर भारत के विजन के अनुरुप राज्य सरकार द्वारा स्थानीय उद्यमियों को गुणवत्तायुक्त उत्पाद तैयार करने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की पहल पर छत्तीसगढ़ के वनोत्पाद के प्रसंस्करण और वैल्यूएडिशन पर विशेष फोकस किया जा रहा है। राज्य की नई उद्योग नीति में भी वनोपज प्रसंस्करण इकाईयों को थ्रस्ट सेक्टर में शामिल किया गया है तथा इसके लिए विशेष प्रोत्साहन का प्रावधान किया गया है।

जामगांव में स्थापित की गई अत्याधुनिक केन्द्रीय प्रसंस्करण इकाई से फारेस्ट टू फार्मेसी मॉडल की शुरुआत हुई है। इस इकाई का मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने हाल में ही लोकार्पण किया है। यह प्रसंस्करण इकाई लगभग 27.87 एकड़ में फैला हुआ है। यहां फार्मास्युटिकल ग्रेड उपकरणों द्वारा आधुनिक ढंग से आयुर्वेदिक एवं हर्बल औषधियों का उत्पादन होगा। इस इकाई में आयुर्वेदिक औषधियों के चूर्ण, सिरप, तेल, अवलेह एवं टैबलेट के रूप में उत्पादन, प्रसंस्करण तथा पैकेजिंग किया जायेगा। इस इकाई में मशीन स्थापना, संचालन तथा विपणन पीपीपी मोड पर किया जाएगा। आयुर्वेदिक औषधि इकाई में 36.47 करोड़ रूपए की लागत से क्वॉरेंटाइन बिल्डिंग, प्री-प्रॉसेसिंग बिल्डिंग, मटेरियल स्टोरेज बिल्डिंग, मेन प्लांट बिल्डिंग आदि बनाए गए हैं।

हर्बल एक्सट्रैक्शन यूनिट 6.04 एकड़ में बनाई गई है, इसकी लागत 23.24 करोड़ रुपए है। इसमें आधुनिक मशीनरी के माध्यम से विभिन्न औषधीयों, वनस्पतियों से अर्क निकाले जाएंगे। इस यूनिट में गिलोय, कालमेघ, बहेड़ा, सफेद मूसली, जंगली हल्दी, गुड़मार, अश्वगंधा, शतावरी आदि महत्वपूर्ण औषधीय, वनस्पतियों से अर्क निकालकर उन्हें आयुर्वेदिक औषधियों तथा अन्य वेलनेस उत्पादों के प्रसंस्करण व निर्माण में उपयोग किया जाएगा।

केंद्रीय प्रसंस्करण इकाई जामगांव में 2000 से अधिक स्थानीय लोगों को प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रोजगार मिलेगा। आदिवासी एवं वनवासी समुदायों के साथ ही महिलाओं को लघु वनोपजों के संग्रहण, प्राथमिक प्रसंस्करण कार्य में रोजगार और आय में वृद्धि के अवसर मिलेगा।

लेखक उप संचालक हैं

जाम के झाम से मुक्ति के हों पुख्ता इंतजाम

डॉ. आशीष वशिष्ठ

27 जून को इंदौर-देवास हाईवे पर करीब पर 40 घंटे तक 8 किलोमीटर लंबा जाम लग गया, जिसमें 4000 से ज्यादा वाहन फंस गए थे। इस दौरान 3 लोगों की जान चली गई। 14 जून को केरल के कन्नूर में कोट्टियूर के पास एक तीन वर्षीय बच्चे की अस्पताल ले जा रही एम्बुलेंस के भीषण ट्रैफिक जाम में फंस जाने से मौत हो गई।

7 जून दिल्ली से आए एक 62 वर्षीय पर्यटक कमल किशोर टंडन की मसूरी में भीषण ट्रैफिक जाम में फंसने के बाद अस्पताल ले जाते समय मौत हो गई। 6 मई उप्र के हमीरपुर जिले के सुमेरपुर थाना क्षेत्र में एक डंपर की टक्कर से बाइक सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया और राजमार्ग पर तीन घंटे तक जाम फंसे रहने की वजह से उसे वक्त पर उचित उपचार नहीं मिला और इस वजह से उसकी मौत हो गई।

24 अप्रैल हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा जिले में मुख्य बाजार देहरा में समय सड़क निर्माण कार्य के कारण लगे भारी जाम ने 75 साल के बुजुर्ग की ज़िंदगी छीन ली। 24 फरवरी कोटा राजस्थान के राष्ट्रीय राजमार्ग-52 पर दरा नाल में लगने वाले भीषण जाम ने एक मासूम की जान ले ली। ये तो बानगी भर है। इस तरह की खबरें अक्सर सुनने, पढ़ने और देखने को मिलती हैं। दो चार दिन के हो हल्ले के बाद गाड़ी पुराने ढर्रे पर दौड़ने लगती है।

ताजा प्रकरण इंदौर-देवास हाईवे पर 40 घंटे के जाम का है। 40 घंटे का जाम था...कोई सोच भी नहीं सकता कि आज़ादी के 75 साल बाद, 40 किलोमीटर का रास्ता तय करने में 40 घंटे लग सकते हैं। दिल्ली से न्यूयॉर्क जाने में आमतौर पर 16 से 20 घंटे लगते हैं। मतलब जितने में दिल्ली से न्यूयॉर्क की फ्लाइट का आना जाना हो जाए, उतने में इंदौर से देवास नहीं पहुंच सके। इंदौर से देवास तक का रास्ता महज़ 40 किलोमीटर है।

मध्य प्रदेश के हाईकोर्ट ने फटकार लगाते हुए नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया यानी एनएचएआई को इस घटना के लिए जिम्मेदार बताया था। निश्चित रूप से इस दुर्घटना और हजारों लोगों के घंटों जाम में फंसे रहने के मामले में जहां एनएचएआई की तरफसे माफी मांगने की जरूरत थी, वहीं उसने दुर्भाग्यपूर्ण घटना के लिये दोष लोगों पर लगाते हुए असंवेदनशील बयान दे डाला। 30 जून को अदालत में जवाब देते हुए एनएचएआई के वकील ने कहा कि लोग बिना जरूरी काम के इतनी सुबह घर से बाहर निकलते ही क्यों हैं? एनएचएआई की इस टिप्पणी ने लोगों में आक्रोश पैदा कर दिया।

उनके इस बयान को सुनकर लोगों को ऐसा लग रहा है कि एनएचएआई घटना की जिम्मेदारी लेने से बच रहा है और घटना के लिए आम लोगों को ही दोषी बताने की कोशिश कर रहा है। यहां तक कि मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय ने भी एनएचएआई के रुख को कठोर और संवेदनहीन बताया है, जो जमीनी हकीकत को नजरअंदाज करने वाला है। विवाद बढ़ने पर एनएचएआई ने कहा कि,यह टिप्पणी अथॉरिटी के आधिकारिक विचारों को नहीं दर्शाती।

देश में जहां एक तरफ ट्रैफिक की समस्या से निजात पाने के लिए सड़कों, हाई-वेज और एक्सप्रेस-वेज को बनाने का काम जोरों-शोरों पर चल रहा है, वहीं दूसरी ओर कुछ ऐसे शहर भी हैं, जो अंदरूनी ट्रैफिक से काफी ज्यादा परेशान हैं। असल में, ट्रैफिक जाम की समस्या से बड़े ही नहीं बल्कि छोटे शहर भी जूझते हैं। लेकिन बड़े शहरों में यह एक संकट का रूप लेने लगा है।

एक जानकारी के मुताबिक एक घंटे जाम में एक लीटर ईंधन बर्बाद होता है। जितनी ईंधन की खपत होगी, उतना ही ज्यादा सीओटू उत्सर्जन भी होगा, जो पर्यावरण और प्रदूषण के साथ-साथ अर्थव्यवस्था के लिए भी नुकसानदायक होता है। एक अनुमान के अनुसार, महानगरों में और हाईवे पर देश में हर साल लगने वाले ट्रैफिक जाम से हर साल तकरीबन 1.4 लाख करोड़ रुपये तक का नुकसान हो रहा है।

टॉमटॉम ट्रैफिक इंडेक्स 2024 के अनुसार, देश में कोलकाता का ट्रैफिक सबसे धीमा है। बेंगलुरु ने इस लिस्ट में दूसरे नंबर पर जगह बनाई है। कमोबेश ऐसे हालात दिल्ली, मुंबई, चेन्नई, पुणे, चंडीगढ़, गुरुग्राम, लखनऊ, जयपुर, कानपुर, अमृतसर, अहमदाबाद, वाराणसी और देश के अन्य महानगरों और शहरों के हैं। डाक्टरों के अनुसार, जाम में फंसने वालों को अकसर ब्लड प्रेशर बढ़ने, बर्नआउट, सांस की बीमारी, डिहाईड्रेशन, फीवर, घबराहट, सीने में दर्द आदि बीमारियों का सामना करना पड़ता है। गंभीर मरीज लंबे समय तक जाम में फंस जाए तो उसकी मौत भी हो सकती है। 2022 में इलाहाबाद हाई कोर्ट ने एक याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा था कि यदि अब जाम में एंबुलेंस फंसी तो इसे अपराध माना जाएगा और मरीज को नुकसान पहुंचाने के तहत कार्रवाई की जाएगी। बावजूद इसके स्थिति में कोई खास फर्क दिखाई नहीं देता।

इसमें दो राय नहीं कि सड़कों के नेटवर्क सुधार से उपभोक्ताओं के समय व धन की बचत हुई है तो उद्योग-व्यापार को भी गति मिली है। लेकिन इससे जुड़ी तमाम विसंगतियां भी सामने आई हैं। सड़कों के त्रुटिपूर्ण डिजाइन व निर्माण में चूक को लेकर भी सवाल उठते रहे हैं। वहीं अकसर बड़ी सड़कों और राजमार्ग परियोजनाओं के निर्माण के दौरान अंतहीन असुविधा भारतीय यात्रियों के लिए रोजमर्रा के अनुभव हैं। अधिकांश साइटों पर निर्माण से जुड़ी, यात्रियों के अनुकूल सर्वोत्तम परंपराओं को अपनाना और यातायात में व्यवधान को कम से कम करना सुनिश्चित नहीं किया जाता है।

जानकारों के मुताबिक, जाम की समस्या को खत्म करने के लिए सबसे पहले पब्लिक ट्रांसपोर्ट को बढ़ाना होगा। इसके अलावा लोगों को कार पूलिंग के लिए जागरूक करना होगा जिससे सड़क पर वाहनों की संख्या को कम किया जा सके। सड़क पर जाम का एक बड़ा कारण जगह-जगह कट का होना भी है। पैदल और छोटे वाहनों के आवागमन के लिए मुख्य सड़कों के साथ सर्विस रोड बनाए जाने से भी जाम की समस्या से निजात पाया जा सकता है। जिन स्थानों पर घनी आबादी के चलते सर्विस रोड नहीं बनाए जा सकते। वहां एलिवेटेड रोड, अंडरपास और फ्लाईओवर आदि का निर्माण किया जा सकता है।

जाम से जूझते शहरों में सड़कों की भीड़भाड़ कम करने के लिए केंद्र सरकार सरकार ने राज्यों की राजधानियों समेत दस लाख से अधिक आबादी वाले 94 शहरों में जाम की समस्या के स्थायी समाधान के लिए रिंग रोड, बाईपास समेत अन्य उपाय करने की योजना बनाई है। यूपी में लोगों को जाम की समस्या से राहत दिलाने के लिए पुलों, रिंग रोड और बाईपास का जाल बिछाया जाएगा। इनके निर्माण पर लोक निर्माण विभाग वित्तीय वर्ष 2025-26 में कुल 6124 करोड़ रुपए का बजट खर्च करेगा। सीएम योगी के निर्देश पर पीडब्ल्यूडी की ओर से यह खाका खींचा गया है।

निस्संदेह, देश के शहरों में आए दिन जाम लगने की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। शासन-प्रशासन को इसके तार्किक समाधान की दिशा में वैज्ञानिक तरीके से गंभीरता के साथ प्रयास करने चाहिए। जाम की सूचना मिलने पर उसे खुलवाने की तत्काल पहल होनी चाहिए। यात्रियों के लिये तुरंत चिकित्सा सुविधा उपलब्ध होनी चाहिए। निश्चय ही, इंदौर-देवास हाईवे की घटना दुर्भाग्यपूर्ण है, जिसको लेकर शासन-प्रशासन के साथ ही भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण यानी एनएचएआई को गंभीरता से लेना चाहिए। उन तमाम आशंकाओं को टालना चाहिए जो भविष्य में ऐसे हादसों की पुनरावृत्ति के कारक बन सकते हैं।

ठाकरे भाइयों ने अपने 'मिलन' के लिए महाराष्ट्र में समाज को भाषा के नाम पर बाँट दिया

नीरज कुमार दुबे

महाराष्ट्र की राजनीति एक बार फिर भाषा की भावनाओं की लहरों में डोलती दिखाई दे रही है। मराठी अस्मिता के सवाल को फिर से केंद्र में लाते हुए शिवसेना (उद्धव गुट) और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के प्रमुख राज ठाकरे ने हिंदी भाषा को कथित रूप से 'थोपे जाने' के विरोध में एक समान सुर अपनाया है। यह घटनाक्रम न केवल राज्य की भाषाई राजनीति को गर्मा गया है, बल्कि वर्षों से एक-दूसरे के विरोध में खड़े ठाकरे बंधुओं को साझा राजनीतिक उद्देश्य के तहत साथ भी ले आया है।

वैसे राज ठाकरे और उनकी पार्टी की ओर से हिंदी भाषा का विरोध पहले भी होता रहा है। खासकर मुंबई जैसे महानगर में जहाँ हिंदी भाषी आबादी बड़ी संख्या में है, वहां मराठी भाषी समाज के मन में यह भाव डाला जा रहा है कि उनकी सांस्कृतिक पहचान और भाषा को धीरे-धीरे हाशिये पर डाला जा रहा है। राज ठाकरे की मनसे ने पहले भी हिंदी भाषियों पर निशाना साधते हुए ऑटो रिक्शा चालकों और बहुभाषी दुकानों के खिलाफ अभियान चलाए हैं। वहीं शिवसेना की स्थापना ही 'मराठी मानुष' की राजनीति पर हुई थी, हालांकि बाद के वर्षों में वह राष्ट्रीय राजनीति और गठबंधनों में आगे बढ़ती चली गई। दोनों भाई दो दशक के बाद एक ही मंच से जिस तरह गरजे हैं उससे हिंदी भाषियों के मन में सुरक्षा को लेकर आशंकाएं उत्पन्न होना स्वाभाविक है इसलिए महाराष्ट्र सरकार को अब और ज्यादा सतर्कता बरतने की जरूरत है। आज दोनों चचेरे भाइयों उद्धव और राज ने साथ आकर महाराष्ट्र की राजनीति में एक नई शुरुआत भी कर दी है। हम आपको बता दें कि महाराष्ट्र में अब तक राजनीतिक परिवारों को बंटते देखा गया लेकिन ठाकरे बंधुओं ने एक साथ आकर जो पहल की है क्या उसका विस्तार पवार परिवार तक भी होता है, अब इस पर सबकी नजरें टिकी रहेंगी। आज की रैली में उद्धव और राज ठाकरे ने अपने भाषण के जरिये वैसे तो कई बड़ी बातें कहीं लेकिन उन्हें हिम्मत करके कुछ जायज सवालों के जवाब भी देने चाहिए।

1. पहला सवाल यह है कि जिस हिंदी को संविधान में राजभाषा का दर्जा हासिल है उसके खिलाफ नफरत क्यों फैलाई जा रही है?

2. दूसरा सवाल यह है कि हिंदी सिनेमा उद्योग ने जिस मुम्बई को विशिष्ट पहचान दिलाई और जो हिंदी सिनेमा उद्योग महाराष्ट्र की अर्थव्यवस्था की रीढ़ की तरह है वहां हिंदी का विरोध करना क्या दोहरा रवैया नहीं है? फिल्मों को हिंदी बेल्ट से कमाई चाहिए लेकिन उसी हिंदी बेल्ट का व्यक्ति यदि महाराष्ट्र में हिंदी बोले तो क्या उसकी बेल्ट से पिटाई की जायेगी?

3. तीसरा सवाल यह है कि छत्रपति शिवाजी महाराज से लेकर तमाम अन्य मराठा वीरों ने तो अपने साम्राज्य का उत्तर और दक्षिण तक विस्तार किया था लेकिन उद्धव और राज मराठियों को संकुचित दायरे में ही क्यों रखना चाहते हैं?

हिंदी विरोध के बहाने साथ आये उद्धव और राज को समझना चाहिए कि हिंदी वैश्विक स्तर पर तीसरी सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषा है। यह भारत की सांस्कृतिक सॉफ्ट पावर का प्रतीक बन चुकी है। विदेशों में भी भारतीय, हिंदी को अपने मूल से जोड़ने वाली डोर मानते हैं। हिंदी पर मराठी भाषा की जीत का उत्सव मना रहे उद्धव और राज को समझना चाहिए कि हिंदी सिर्फ एक भाषा नहीं है, बल्कि भारत की सांस्कृतिक, सामाजिक और ऐतिहासिक पहचान का अभिन्न अंग है।

जन समर्थन खो चुके उद्धव और राज ठाकरे जैसे हिंदी विरोधियों को अपने मन की वह भ्रांति दूर कर लेनी चाहिए कि हिंदी कोई विरोधी भाषा है, उन्हें समझना चाहिए कि हिंदी तो एक सहयोगी भाषा है। यह कभी किसी पर थोपी नहीं जाती बल्कि अपनी उपयोगिता, पहुँच और आत्मीयता के बल पर यह जनमानस में रची-बसी है। हिंदी तो वह भाषा है जो भारत की भाषायी विविधता को बनाए रखते हुए अन्य भाषाओं के साथ बड़ी आसानी से समन्वय कर लेती है। राजनीतिक स्वार्थ की पूर्ति के लिए साथ आये उद्धव और राज ठाकरे को समझना चाहिए कि हिंदी एक लचीली और समावेशी भाषा है जो अन्य भाषाओं के शब्दों को आत्मसात करती है। इसमें संस्कृत, उर्दू, फारसी, बंगाली, क्षेत्रीय बोलियों और यहां तक कि अंग्रेजी के शब्दों को भी आत्मसात करने की अद्भुत क्षमता है।

देश और समाज को जोड़ने वाले मुद्दों को उठा कर अपनी राजनीति आगे बढ़ाने की बजाय समाज को बांटने वाले मुद्दे उठा कर उद्धव और राज ठाकरे को समझना चाहिए कि हिंदी किसी को दबाने या हटाने की भाषा नहीं है, बल्कि यह जोड़ने की भाषा है। यह 'विविधता में एकता' के भारतीय दर्शन को व्यवहार में उतारती है। उद्धव और राज ठाकरे को समझना चाहिए कि हिंदी भारत की आत्मा की आवाज़ है, यह उस किसान की बोली है, उस सैनिक का आदेश है, उस कवि की कल्पना है और उस आम आदमी का माध्यम है जो पूरे देश से जुड़ना चाहता है। इसे समझना, अपनाना और सम्मान देना ही असली भारतीयता है। आज जो लोग उद्धव और राज ठाकरे के एक साथ आने पर नृत्य कर रहे हैं उन्हें भी यह बात समझनी चाहिए कि चचेरे भाई तो आपस में जुड़ गये मगर आपको भाषा के नाम पर भड़का कर अपने पड़ोसियों और अपने सहयोगियों से अलग कर दिया।

बहरहाल, जहां तक उद्धव और राज ठाकरे के साथ आने की बात है तो आपको बता दें कि दोनों नेताओं का एक साथ आना महज भाषाई चिंता नहीं है, बल्कि इसमें एक गहरी राजनीतिक रणनीति छिपी हुई है। उद्धव ठाकरे बीजेपी से अलग होने और एकनाथ शिंदे की ओर से शिवसेना को विभाजित कर देने के बाद नए सिरे से अपनी 'असली शिवसेना' की छवि को फिर से स्थापित करने की कोशिश कर रहे हैं। वहीं राज ठाकरे को भी लंबे समय से राजनीतिक पुनर्जीवन की तलाश है और मराठी अस्मिता का मुद्दा उनके लिए सबसे सहज विकल्प है। देखा जाये तो दोनों के लिए हिंदी विरोध एक ऐसा मंच है, जहां वे एक बार फिर मराठी मतदाता के भावनात्मक जुड़ाव को सक्रिय करने का प्रयास कर रहे हैं, खासकर मुंबई महानगर पालिका चुनावों को ध्यान में रखते हुए।

आज संपूर्ण विश्व में पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के नाम से जाने पहचाने जाते हैं धीरु भैया

संतोष गंगेले

मध्य भारत के मध्य प्रदेश के छतरपुर जिले के पुलिस थाना बमीठा से 13 किलोमीटर दूर पहाड़ों के बीचों- बीच ग्राम गढ़ा स्थित है । इस छोटे से ग्राम की आबादी लगभग 1500 के करीब बताई जाती है ग्राम में पहले प्राथमिक विद्यालय था वर्तमान में माध्यमिक विद्यालय है । इस ग्राम से 6 किलोमीटर दूर ग्राम गंज जो वर्तमान में राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित है जहां पर शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय संचालित है ।

4 जुलाई 1996 को प्रात: कालीन ब्रह्म मुहूर्त बेला में श्रीमती सरोज गर्ग पत्नी राम कृपाल गर्ग ने बालक को जन्म दिया है जिसका नाम आज संपूर्ण विश्व में है वह पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के नाम से जाने पहचाने जाते हैं और उनके द्वारा अपनी बाल अवस्था से ही हनुमान के बाल रूप में वह बाल लीलाएं करते रहे लेकिन उसे समय पर ना तो उनके माता-पिता भाई बहन समझ सके ।

पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री का बचपन का नाम धीरु भैया है और उन्हें आज भी उनकी माता-पिता और बचपन के साथी उन्हें धीरु भैया के नाम से ही पुकारते हैं ।

पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के दादा भगवान दास गर्ग जो सेतु महाराज के नाम से प्रसिद्ध थे और वह घर से गांव के बाहर श्मशान घाट के पास एक छोटे से हनुमान की मूर्ति की सेवा में लगे रहते थे उनकी तपस्या त्याग किसी स्थान पर होता था और छोटे बालक के रूप में हनुमान की सेवा में और दादा की सेवा के लिए पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री धीरु भैया हमेशा अपने दादाकी आज्ञा का पालन करते और वहीं पर बैठकर हनुमान चालीसा सुंदरकांड रामायण पाठ भजन कीर्तन अखंड कीर्तन में भाग लेते रहे उनका पढने में मन नहीं लगता था इसलिए पितानाराज होते थे और उन्हें जबरन स्कूल भेजने के लिए कोशिश करते थे । धीरु भैया अपने दोस्तों के साथ स्कूल जाते थे लेकिन जैसे ही दोपहर का समय होता था वह स्कूल से भाग के मंदिर पहुंचने और दादाकी सेवा में लगे रहते थे ।

उनकी सेवा भावना से दादाबहुत ही खुश थे और उन्हें उनके भविष्य की परख थी इसलिए वह उन्हें अपना जीवन की जो विद्या थी जो उन्हें आध्यात्मिक तांत्रिक और ईश्वरी शक्ति थी वह धीरू को देना चाहते थे लेकिन वह परीक्षा की घड़ी अभी काफी दूर थी ।

धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री बताते हैं कि जब वह 11 साल के थे उनके पैर में चोट लगने के कारण उनकी चोट ठीक नहीं हो रही थी पैर में सडन् पैदा हो गई मवाद आने लगी लेकिन उन्होंने गांव के हिसाब से नीम की पत्ती नीम की छाल से घाव ठीक करने का प्रयास किया नहीं ठीक हुआ बरसात का समय था दादाके सेवा में पहुंचे तो वह दिव्यांग की तरह चल रहे थे सही तरह से पैदल नहीं चल पा रहे थे बरसात के पानी में पर चल रहा था हनुमान के परम शिष्य पंडित भगवान दास सेतु महाराज ने आज अवसर देखा कि इस बालक को हम अपना चमत्कार दिखाते हैं जैसे ही उनके विश्राम स्थल पर मंदिर के पास पहुंचे दादाने कहा धीरू क्या बात है काफी दिन से सही तरीके से चल नहीं पाते हो सही-सही बताओ उन्होंने कहा कि दादापर में सडन् पैदा हो रही है मवाद आ रही है और हॉस्पिटल यहां आस-पास नहीं है मैं ठीक नहीं हो पा रहा हूं मेरा पैर कट जाएगा ।

पंडित भगवान दास सेतु महाराज ने मंदिर की ओर निगाहें मिलाते हुए पास में रखा हुआ एक कपड़ा उठाया पानी में उसको घूमते हुए और धीरे से कहा के प्यार ऊपर करो फेंक कर मार दिया कपड़ा अपने आप पैर के पंजे में लिपट गया और वहां कहा कि 1 घंटे यही बैठो ।

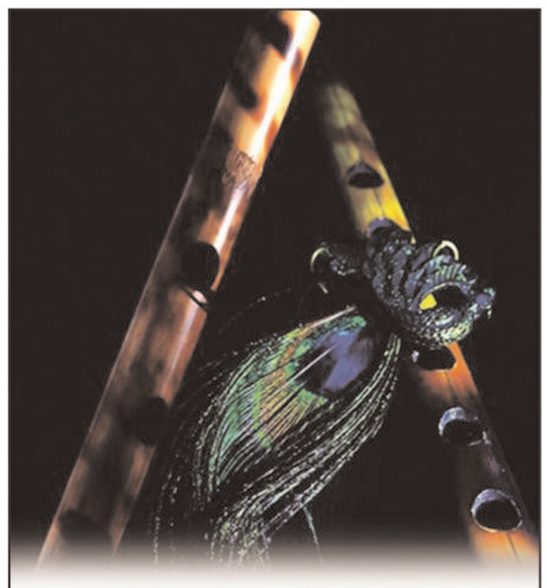

...तो घर में जरूर रखें बांसुरी

भगवान श्रीकृष्ण को बांसुरी बहुत प्रिय है। बांसुरी कृष्णजी को प्रिय होने के कारण उसको प्रकृति का अनुपम वरदान है। ज्योतिष के अनुसार बांसुरी का इस्तेमाल अगर सोच समझकर किया जाए तो यह हमें कई प्रकार के दोषों से बचाती है। वास्तु और फेंगशुई के अनुसार, बांसुरी को अगर घर, दुकान में रखा जाए है तो इसके कई लाभ मिलते हैं। बांसुरी से होने वाले लाभ कौन-कौन से है, आइए जानते है।

- फेंगशुई विद्या के अनुसार, बांसुरी घर में रखना बहुत शुभ माना गया है। यह उन्नति और प्रगति दोनों देने में बहुत सहायक है। इस प्रकार बांसुरी प्रकृति का एक अनुपम वरदान है।
- बांसुरी बांस से बनी होती है तथा इसके पौधे को दिव्य माना जाता है। अतः घर में बांसुरी का प्रयोग करके कई तरह से लाभ उठाया जा सकता है।
- बांसुरी के संबंध में एक धार्मिक मान्यता है कि जब बांसुरी को हाथ में लेकर हिलाया जाता है तो बुरी आत्माएं दूर हो जाती हैं।
- जब बांसुरी को बजाया जाता है तो ऐसी मान्यता है कि घरों में शुभ चुम्बकीय प्रवाह का प्रवेश होता है।
- यदि सोच-समझकर इसका उपयोग किया जाए तो दोषों का बिना किसी तोड़-फोड़ के निवारण कर अशुभ फलों से बचा जा सकता है।
- ऐसा माना जाता है कि जो व्यक्ति अपनी नौकरी से परेशान रहता हैं, बांसुरी उसकी सारी मुश्किलें आसान कर सकता है।
- जो व्यक्ति काफी मेहनत के बाद भी अपने बिजनेस में सफलता हासिल नहीं कर पाते उनके लिए बांस से बनी यह बांसुरी उन्नति और समृद्धि दोनों देने में सक्षम है। अतः उन्हें भगवान श्रीकृष्ण का पूजन करते हुए अपने दुकान की छत पर दो बांसुरी चिपकानी चाहिए या टांग देनी चाहिए। यह बहुत ही सरल उपाय है जो आपको अपने बिजनेस में उन्नति के शिखर पर ले जाएगा।

सूर्यास्त के बाद झाड़ू-पौंछा न करें

धार्मिक गंथों में ऐसी कई सार्वभौमिक सत्य बातें बताई गई हैं, जिनका अनसुरण कर हम अपना सौभाग्य लिख सकते हैं या प्रतिकूल ग्रहों को अनुकूल बना सकते हैं। आइए जानें ऐसी पांच चीजों के बारे में जो हमारे अच्छे व सुखद भविष्य की भी नींव रखती हैं।

थाली में न छोडें झूठा अन्न

शास्त्रानुसार कभी भी खाने की प्लेट में जूठा नहीं छोडना चाहिए और न ही कभी जूठे बर्तनों को यूं ही पढ़े रहने देना चाहिए। रात को सोने से पहले सभी जूठे बर्तन धो लेने चाहिए अन्यथा इससे घर में अशांति का वातावरण बनना शुरु हो जाएगा जो अंततः घर के दुर्भाग्य में बदल जाएगा।

बैड को रखें नीट एंड क्लीन

शास्त्रों के अनुसार बेडरूम सुव्यवस्थित तथा साफ-सुथरा होना चाहिए। खास तौर पर बिस्तर पर बिछी हुई चादर बिल्कुल साफ होनी चाहिए साथ ही कमरे में कचरा नहीं फैला होना चाहिए। ऐसा नहीं करने पर उस बिस्तर पर सोने वाले का सौभाग्य भी दुर्भाग्य में बदल जाता है।

जगह-जगह थूकना लाता है दुर्भाग्य

कहीं भी थूक देना (विशेष तौर पर घर में, देव मंदिरों में, सार्वजनिक स्थानों पर) शास्त्रों में पूरी तरह गलत बताया गया है। इससे घर की लक्ष्मी रूठ कर चली जाती है। हमें यथासंभव अपने आसपास साफ-सफाई रखनी चाहिए। माना जाता है कि ऐसा करने से घर की सुख-शांति खत्म हो जाती है और कंगाली घर में प्रवेश कर जाती है।

बाथरूम को रखें साफ-सुथरा

बाथरुम को चन्द्रमा का स्थान माना गया है। जिन घरों में बाथरूम गंदा रहता है या अस्त-व्यस्त पड़ा रहता है, उन घरों के स्वामी की कुंडली में चन्द्रमा पर ग्रहण लग जाता है जिससे उस घर में रहने वालों की मानसिक शांति समाप्त हो जाती है तथा वहां धन की कमी होने लगती है।

पूजा में भगवान श्रीगणेश जी का है सर्वश्रेष्ठ स्थान

हिन्दू धर्म शास्त्रों के अनुसार, किसी भी शुभ काम के करने से पहले गणेश पूजन आवश्यक हैं। इससे प्रसन्न होकर गणेश जी सारे काम निर्विघ्न कर देते हैं। हिन्दू संस्कृति और पूजा में भगवान श्रीगणेश जी को सर्वश्रेष्ठ स्थान दिया गया है। प्रत्येक शुभ कार्य में सबसे पहले भगवान गणेश की ही पूजा की जाती अनिवार्य बताई गयी है। देवता भी अपने कार्यों की बिना किसी विघ्न से पूरा करने के लिए गणेश जी की अर्चना सबसे पहले करते हैं।

ऐसा कहा जाता है कि गणेश जी की पूजा में दूर्वा का सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण मानी जाती है और साथ ही यह मान्यता है कि गणपति को दूर्वा चढ़ाने से सभी मनोकामनाएं पूर्ण हो जाती हैं। ऐसे में दूर्वा को पूजन परंपरा से जोडकर उन्होंने दुर्लभ वनस्पतियों को बचाने का संदेश दिया है क्योंकि इससे हम धरती की रक्षा कर अपने लिए एक स्वच्छ वातावरण का निर्माण कर सकेंगे।

ऐसे में कहा जाता है गणपति की साधना-अराधना के लिए बताए गए 108 नाम के बारे में जिनके जप करने से भीतरी आध्यात्मिक शक्ति का विकास होता है। यह भी माना जाता है कि श्री गणेश जी के 21 नाम वालें मंत्रों और 21 पेड़ों के पत्तों को अर्पित करने पर उनकी विशेष कृपा प्राप्त होती है।

मान्यता है कि पूजन की इस परंपरा के पीछे जीवनदायक प्राण वायु प्रदान करने वाले वृक्षों को न काटने का गूढ़ रहस्य छिपाया गया है। वहीं इस बात को कहने का तात्पर्य गणपति की साधना-अराधना से जुड़े इन वृक्षों संरक्षण किया जाना चाहिए। श्री गणेश नाम वृक्षों के नाम आइए जानते हैं।

इन मंत्रों का करें जाप

ओम सुमुखाय नमः शमी पत्र।
ओम गणाधीशाय नमः भृंगराज पत्र।
ओम उमापुत्राय नमः बेल पत्र।
ओम गजामुखाय नमः दूर्वापत्र।
ओम लम्बोदराय नमः बेर का पत्र।
ओम हर पुत्राय नमः धतूरे का पत्र।
ओम शूर्पकर्णाय नमः तुलसी के पत्र।
ओम वक्रतुण्डाय नमः सेम का पत्र।
ओम गुहाग्रजाय नमः अपामार्ग पत्र।
ओम एकदंताय नमः भटकटैया पत्र।
ओम हेरम्बाय नमः सिंदूर पत्र।
ओम चतुर्होत्रे नमः तेज पत्र।
ओम सर्वेश्वराय नमः अगस्त पत्र।
ओम विकटाय नमः कनेर पत्र।
ओम हेमतुण्डाय नमः केला पत्र।
ओम विनायकायनमः आक पत्र।
ओम कपिलाय नमः अर्जन पत्र।
ओम वटवे नमः देवरारू पत्र।
ओम भालचंद्रय नमः महुए के पत्र।
ओम सुराग्रजाय नमः गांधारी पत्र।
ओम सिद्धि विनायक नमः केतकी पत्र।

परिवार और व्यक्ति के दुख दूर करते हैं यह सरल उपाय

बुधवार के दिन घर में सफेद रंग के गणपति की स्थापना करने से समस्त प्रकार की तंत्र शक्ति का नाश होता है।

धन प्राप्ति के लिए बुधवार के दिन गणेश को घी और गुड़ का भोग लगाएं। थोड़ी देर बाद घी व गुड़ गाय को खिला दें। ये उपाय करने से धन संबंधी समस्या का निदान हो जाता है।

परिवार में कलह कलेश हो तो बुधवार के दिन दूर्वा के गणेश जी की प्रतिकात्मक मूर्ति बनवाएं। इसे अपने घर के देवालय में स्थापित करें और प्रतिदिन इसकी विधि-विधान से पूजा करें। घर के मुख्य दरवाजे पर गणेशजी की प्रतिमा लगाने से घर में सुख-समृद्धि बनी रहती है। कोई भी नकारात्मक शक्ति घर में प्रवेश नहीं कर पाती है।

तुलसी के पौधे को कभी भी दक्षिण में न लगाएं

हर व्यक्ति के जीवन में शांति और सम्पन्नता का होना जरूरी है और सम्पन्नता के लिए लक्ष्मी का प्रसन्न होना बेहद आवश्यतक है। वास्तु शास्त्र के अनुसार कुछ खास बातें नहीं की जाएं तो लक्ष्मी की कृपा और आशीर्वाद हमेशा बना रहता है।

- वास्तु शास्त्र के अनुसार घर के दरवाजों को कभी भी ना खटखटाएं। घर के गेट पर बैल लगाएं या आवाज देकर मालिक को बुलाएं। गेटों को खटखटाने और बजाने से वास्तु दोष बढता है। ऐसे में लक्ष्मी वहां ज्यादा दिनों तक टिकती नहीं है।
- वास्तु के अनुसार सर्वप्रिय देव श्रीगणेश की मालिक द्वारा आराधना जरूरी होती है। यदि घर का मालिक सुबह उठकर श्रीगणेशजी का ध्यान कर पूजा-अर्चना करता है तो घर के वास्तु दोष तुरंत दूर होते हैं।
- वास्तु के अनुसार तुलसी के पौधे को कभी भी दक्षिण में न लगाएं, इससे जीवन में अशुभता आने लगती है। तुलसी जी के पौधे को पूर्व या उत्तर में लगाना उचित रहता है।
- गंदे कपडे पहनने से भी वास्तु दोषों में बढोतरी होती है। कोशिश करें कि दो दिन के अलावा तीसरे दिन भी पुराने कपडे नहीं पहनें।
- घर की सफाई रात को करना भी वास्तु के अनुसार ठीक नहीं है। कहते हैं कि शाम को जो धूल एकत्रित होती है, वही लक्ष्मी जी की कृपा होती है।

सकारात्मक ऊर्जा और तन-मन की शांति के लिए..

धार्मिक ग्रंथों के अनुसार अच्छी सेहत और प्रसन्न तन-मन के लिए कुछ उपयोगी टिप्स दैनिक व्यवहार में लाकर आप एक सुंदर एवं स्वस्थ जीवन जी सकते हैं।

- सूर्योदय से पूर्व उठने की आदत डालें, इससे सकारात्मक ऊर्जा की प्राप्ति होती है जो तन, मन और मस्तिष्क को शांत करती है।
- प्रातः काल आसपास के खुले स्थान, पार्क या भवन की छत पर जाकर पूर्व दिशा की ओर मुंह करके थोड़ा व्यायाम करें और लंबी सांस लें। इससे प्रकृति में सुबह के समय व्याप्त सकारात्मक ऊर्जा यानी आक्सीजन का भरपूर उपयोग करके आप शरीर को स्वस्थ रख सकते हैं।
- अच्छे स्वास्थ्य के लिए भोजन करते समय आपका मुख सदा पूर्व या उत्तर में रहे। कभी भी पलंग पर बैठकर, खड़े होकर या आड़े-तिरछे बैठकर भोजन न करें।
- भोजन या तो भूमि पर आसन बिछाकर करें या फिर डायनिंग टेबल का प्रयोग करें। विधिवत भोजन करने से शरीर चुस्त दुरूस्त रहता है।
- खाना खाते वक्त टेलीविजन नहीं देखें, इससे उत्पन्न होने वाली नकारात्मक ऊर्जा के प्रभाव से सभी ज्ञानेंद्रियों पर विपरीत असर पड़ता है। इससे पेट की बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। अतः भोजन करते समय टेलीविजन देखने की बजाए पारिवारिक दिनचर्या पर गपशप करें।
- दवाइयों को डायनिंग टेबल पर नहीं रखें, ये नकारात्मक ऊर्जा की प्रतीक होती है। ऐसा करके हम दवाइयों को भोजन का हिस्सा बनाने का निमंत्रण देते हैं, ऐसा नहीं करें।
- यदि घर में बच्चों या वृद्धों के लिए कुछ टॉनिक आदि का प्रयोग कर रहे हों, तो ऐसे टॉनिक की शीशियां व डिब्बे घर की पूर्व दिशा में बनी आलमारियों में रखें और किसी बीमारी से संबंधित दवाइयों को दक्षिण या पश्चिम में रखें।
- भोजन पूर्व की तरफ मुंह करके ही बनाएं। यह सेहत के लिए उत्तम और सुखदायी होता है। रसोईघर आग्नेय कोण में ही बनाएं। रसोईघर की व्यवस्था उत्तर-पूर्व में न करें। यह धन और स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाता है। ज्वलनशील पदार्थों को भी दक्षिण-पूर्व में रखें।
- रसोईघर की दीवारों का रंग हल्का पीला, नारंगी या हल्का लाल रखें। जिससे भोजन सुप्पाच्य होकर भूख बढ़ाने में सहायक साबित होगा। जब एक साथ मिलकर सभी खाना खा रहे हों, तो घर के मुखिया का मुंह पूर्व में तथा अन्य सदस्यों का मुंह उत्तर या पश्चिम में होना चाहिए। दक्षिणामुख कभी नहीं बैठें। इससे पाचन क्रिया ठीक रहती है। हाथ आदि साफ कर प्रसन्नतापूर्वक खाने से आरोग्यता बढ़ती है।

गोमेद
एक खूबसूरत रत्न
जीवन को भी बना देता है सुंदर

ज्योतिष विज्ञान में गोमेद को एक खूबसूरत रत्न माना गया है, जो जीवन को सुंदर बना देता है। गोमेद सबसे लाभदायक रत्नों में से एक माना गया है। गोमेद राहु ग्रह से संबंधित रत्न माना गया है। ज्योतिष शास्त्र में राहु को पाप ग्रह माना जाता है अत- ज्योतिषाचार्यों द्वारा राहु के दुष्प्रभावों को समाप्त करने के लिए गोमेद रत्न धारण करने की सलाह दी जाती है। ध्यान रखने योग्य यह है कि गोमेद के साथ माणिक्य, मूंगा और पुखराज नहीं पहनना चाहिए।

यह रत्न जहां रुके कार्यों पूर्ण करने का कार्य करता हैं, वहीं जीवन के हर क्षेत्र में सफलता देता है। ज्योतिषियों की मानें तो जन्म कुंडली की दशाओं को जानकर ही इस रत्न को धारण करना उचित रहता है। इतना ही नहीं गोमेद ब्लड कैंसर, कम सुनाई देना, आंखों तथा जोड़ों के दर्द जैसी बीमारियों से भी निजात दिलाता है। गोमेद एक चमकदार और अपारदर्शी रत्न है। यह गहरे भूरे अथवा लाल रंग की तरह होता है। इसे गारनेट समूह का रत्न माना जाता है। यह दुनिया में कई स्थानों पर पाया जाता है। गोमेद मुख्य रूप से यह भारत, श्रीलंका और ब्राजील में आसानी से मिल जाता है तथा साउथ अफ्रीका, थाईलैंड और ऑस्ट्रेलिया में भी यह रत्न पाया जाता है। राहु ग्रह से संबंधित इस रत्न को हिन्दी में गोमेद और अंग्रेजी में हैसोनाइट स्टोन कहते हैं। गोमेद रत्न 6 रत्ती से कम का धारण नहीं करना चाहिए। यह रत्न शनि की होरा में शुक्ल पक्ष के किसी भी शनिवार को पहनना अतिशुभ माना गया है। यदि शनिवार के दिन शतभिषा, स्वाती या आर्द्रा नक्षत्र में इसे धारण किया जाए तो गोमेद की शुभता अधिक बढ़ जाती है।

रत्न धारण करने की विधि

गोमेद रत्न की अंगूठी को सबसे पहले गंगा जल, दूध, शहद और मिश्री के घोल में डालकर एक रात उसमें ही रहने दें। तत्पश्चात ऊँ रां राहवे नमः मंत्र का 108 बार जाप करके कनिष्का में धारण करना चाहिए।

किस अंगुली में धारण करें

इसे चांदी या अष्टधातु की अंगूठी में जड़वा कर पहनना उचित रहता है। राहु का रत्न गोमेद को कनिष्का ऊंगली में पहनना चाहिए, क्योंकि मिथुन राशि में उच्च का होने से बुध की अंगुली कनिष्का में पहनना शुभ फलदायी रहता है। यह राहु के अशुभ प्रभाव को दूर करता है। गोमेद धारण करने से राहु की दशा-महादशा को दुष्प्रभावों से निजात मिलती है। यह रत्न शत्रुओं पर विजय दिलाने वाला भी माना जाता है, इतना ही नहीं इसे धारण करने से सकारात्मक विचार, एकाग्रता और आत्मविश्वास भी बढ़ता है।

कौन धारण करें

इसे राजनीतिज्ञ, जासूसी, जुआ, सट्टा खेलने वाले तथा तंत्र या मंत्र विद्या से जुड़े व्यक्ति पहनते हैं। कौन ना पहने ये रत्न- जिस व्यक्ति की कुंडली में राहु 5वें, 8वें 9वें 11वें या 12वें स्थान पर हो उन्हें गोमेद धारण नहीं करना चाहिए। इससे नुकसान होने की संभावना बढ़ जाती है तथा जिनका व्यापार-व्यवसाय राहु ग्रह से संबंधित हो उन्हें भी यह रत्न नहीं पहनना चाहिए।

पीतल का शेर देगा आपको आत्मविश्वास...

घर का सामान आपके जीवन, धन-संपत्ति और खुशहाली के साथ-साथ आपके व्यक्तित्व पर भी गहरा प्रभाव डालता है। वास्तुशास्त्र के कुछ मौलिक सिद्धांत तो लगभग सभी लोगों को मालूम होते भी हैं, मसलन दक्षिण दिशा में मुख्य द्वार नहीं बनाना चाहिए, उत्तर दिशा में तिजोरी रखना और घर में गंदगी इकट्ठी ना होने देना...वगैरह-वगैरह।

लेकिन कुछ वास्तु टिप्स ऐसे होते हैं, जो आपके व्यक्तित्व पर भी बहुत गहर असर छोड़ते हैं। अगर आप उदास रहते हैं या फिर आपको लगता है कि आत्मविश्वास की कमी के कारण आप अपने उद्देश्य को प्राप्त नहीं कर पा रहे हैं या आपको अन्य लोगों के समक्ष अपनी बात रखने में हिचक होती है तो हम आपको एक ऐसा वास्तु उपाय बताने जा रहे हैं जो आपके लिए बेहद कारगर सिद्ध हो सकता है। पीतल धातु से बना शेर, ना सिर्फ आपके घर की शोभा को बढ़ाता है बल्कि आपके भीतर छिपी हीन भावना या आत्मविश्वास की कमी को भी समाप्त करता है।

वास्तुशास्त्र के विशेषज्ञों के अनुसार अगर पीतल धातु से बने शेर को घर की पूर्वी दिशा में स्थापित करते हैं तो यह आपके सेल्फ कॉफिडेंस में गजब का उछाल लाता है। बस एक बात का ध्यान रखें कि जब आप शेर को अपने घर में स्थापित करें तो उसका मुख घर के केन्द्र में होना चाहिए।

शक्तिधाम स्थापना दिवस पर भक्तों का उमड़ा हुजूम, 61 यूनिट रक्तदान कर दिया जनसेवा का संदेश

राजनांदगांव। शहर के वार्ड नंबर 1 स्थित शक्तिधाम महाकाली मंदिर में आज 6वां स्थापना दिवस भक्तिमय माहौल में धूमधाम से मनाया गया। प्रात: मां काली की अघोर महाआरती पश्चात वृक्षारोपण, रक्तदान एवं आयुर्वेदिक स्वास्थ्य परीक्षण का आयोजन किया गया, जहां आयुर्वेद चिकित्सक डॉ. प्रज्ञा सक्सेना एवं उनकी टीम ने सेवाएं दी। स्वास्थ्य शिविर में बड़ी संख्या में ग्राम सहित दूर दराज से आये लोगों ने स्वास्थ्य परीक्षण का लाभ लिया, वहीं रक्तदान में दूर-दराज से आये माता के भक्तों ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिए।

आज शहर के बाबुटोला वार्ड नंबर 1 स्थित शक्तिधाम महाकाली मंदिर में 6वां स्थापना दिवस भक्तिमय वातावरण में धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर विशेष अतिथि के रूप में राजनांदगांव-डोंगरगढ़ रेलवे क्षेत्र की निरीक्षक आरपीएफएवं प्रसिद्ध पंडवाणी गायिका श्रीमती तरुणा साहू व चिचोला टीआई नरेश कुमार बंजारे उपस्थित रहे। उन्होंने मां काली की पूजा-अर्चना पश्चात वृक्षारोपण कर मंदिर समिति के स्थापना दिवस पर शुभकामनायें दी एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

मंदिर समिति के संस्थापक गुरुदेव हरीश यादव ने रक्तदान कर रक्तदान शिविर का शुभारंभ किया, वहीं लालबाग आरक्षक राजकुमार बंजारे ने भी रक्तदान कर इस आयोजन की सराहना की। शक्तिधाम महाकाली मंदिर के प्रधान संस्थापक व मुख्य पुजारी गुरुदेव हरीश यादव ने बताया कि इस वर्ष शक्तिधाम के स्थापना दिवस पर प्रात: मां महाकाली की आरती पश्चात छाया प्रदान करने वाले वृक्षों का रोपण किया गया। समिति के सदस्यों सहित दूर दराज से आये माता के भक्तों ने 61 यूनिट ब्लड डोनेट किये। समिति द्वारा आयुर्वेद स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया, जिसे लोगों का अच्छा प्रतिफल मिला। ग्राम सहित आसपास ग्रामों के लगभग 100 से ज्यादा लोगों ने स्वास्थ्य शिविर का लाभ लिया। आयुर्वेद चिकित्सक डॉ. प्रज्ञा सक्सेना एवं उनकी टीम द्वारा उचित परामर्श व नि:शुल्क औषधि प्रदान किया गया।

मुखिया हरीश यादव ने बताया कि शक्तिधाम धर्मार्थ सेवा समिति का मूल उद्देश्य सर्वजन हिताये सर्वजन सुखाए को ध्येय रखकर हमारी संस्था द्वारा इस तरह के जनसेवा का कार्य किया जाता रहा है। हमारी सेवा संस्था द्वारा ग्रीष्म में रेल यात्रियों को शीतल पानी पिलाना, वृद्धा आश्रम में भोजन सेवा, अभिलाषा मुकबधीर शाला में लेखनी सामग्री वितरण सहित स्टेशनो व फुटपाथ में रहने वालों को आवश्यक सामग्री भेंटकर सेवा किया जाता रहा है।

श्री यादव ने आमजन से इस जनसेवा के मुहीम में अधिक से अधिक सम्मिलित होकर इस पुनीत कार्य में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेकर जनसेवा के कार्य में सहभागिता की अपील की है। शक्तिधाम महाकाली मंदिर के स्थापना दिवस के शुभकामनायें अवसर पर समिति के सदस्यों सहित बड़ी संख्या में दूर-दराज के मंदिर के भक्त व ग्रामवासी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

धारा 6(2) बनी भ्रष्टाचारियों की ढाल — सरकारी कर्मचारियों के संगठन ने की विलोपन की मांग

मुंगेली (समय दर्शन) रायपुर राज्य में शासकीय सेवाओं में हो रहे भ्रष्टाचार, फर्ज़ी नियुक्तियों और सेवा शर्तों के उल्लंघन पर लगाम लगाने की दिशा में अब स्वयं कर्मचारी संगठन ने ही मोर्चा खोल दिया है। गवर्नमेंट एम्प्लाइज वेलफेयर एसोसिएशन छत्तीसगढ़ ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर छत्तीसगढ़ लोक सेवा (आरक्षण) अधिनियम, 1994 की धारा 6(2) को तत्काल प्रभाव से विलोपित करने की मांग की है। क्या है धारा 6(2)? इस धारा के अंतर्गत यह प्रावधान है कि कोई भी न्यायालय राज्य सरकार की पूर्वानुमति के बिना अधिनियम के तहत अपराधों का संज्ञान नहीं ले सकता। यानी जब तक शासन की अनुमति न मिले, तब तक किसी भी दोषी अधिकारी या कर्मचारी के विरुद्ध न्यायिक कार्रवाई संभव नहीं है।भ्रष्टाचारियों के लिए कवच बन चुकी है धारा एसोसिएशन के प्रांताध्यक्ष कृष्णकुमार नवरंग ने बताया कि यह धारा शासकीय सेवाओं में भ्रष्टाचार और नियमविरुद्ध पदोन्नतियों का एक अप्रत्यक्ष संरक्षण बन गई है। उनका कहना है कि सैकड़ों मामले जिनमें संबंधित अधिकारी या कर्मचारी प्रथमदृष्टया दोषी पाए गए हैं, वे सामान्य प्रशासन विभाग (व्रष्ठ) की मंजूरी के अभाव में फइलों में दबे हुए हैं।उन्होंने कहा कि सरकार की मंजूरी प्रक्रिया जानबूझकर लटकाई जाती है या दबा दी जाती है, जिससे भ्रष्ट और कदाचारी अधिकारी आज भी बेखौफ सेवाओं में टिके हुए हैं।अधिनियम का अन्य पक्ष भी सख्त उल्लेखनीय है कि यही अधिनियम यह भी स्पष्ट करता है कि अगर कोई अधिकारी या कर्मचारी आरक्षण के प्रयोजन को विफल करने की नीयत से कार्य करता है, तो वह दोषसिद्धि पर कारावास और आर्थिक दंड का पात्र होगा। लेकिन इस प्रावधान को लागू करने के लिए भी सरकार की पूर्व मंजूरी आवश्यक है।और यही सबसे बड़ी बाधा बन जाती है।

मुख्यमंत्री को भेजा गया पत्र- गवर्नमेंट एम्प्लाइज वेलफेयर एसोसिएशन ने सामान्य प्रशासन विभाग और मुख्यमंत्री को पत्र भेजकर स्पष्ट रूप से धारा 6(2) को विलोपित करने की मांग की है ताकि न्यायिक प्रक्रिया निष्पक्ष और बाधारहित हो दोषी अधिकारियों को संरक्षण न मिले शासन-प्रशासन में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित हो

संगठन का आग्रह- प्रांताध्यक्ष श्री नवरंग ने अपील की है कि राज्य सरकार कर्मचारियों, आमजन और प्रशासन की विश्वसनीयता को बनाए रखने हेतु शीघ्र निर्णय लेकर इस धारा को हटाए कृष्णकुमार नवरंग प्रांताध्यक्ष, गवर्नमेंट एम्प्लाइज वेलफेयर एसोसिएशन छत्तीसगढ़

क्रोमा की 'बैक टू कैंपस सेल' में लैपटॉप खरीदें, सिर्फ 28,990 रुपये से आगे की कीमतों में

रायपुर। भारत का पहला और टाटा समूह का भरोसेमंद ओमनी-चैनल इलेक्ट्रॉनिक्स रिटेलर, क्रोमा में शुरू हो रहा है 'बैक टू कैंपस' सेल। आधुनिक शिक्षा में तकनीक सबसे महत्वपूर्ण है, इस बात को मद्देनज़र रखते हुए क्रोमा ने अपने अभियान को छात्रों और तकनीक के प्रति उत्साही लोगों को सशक्त बनाने के लिए डिज़ाइन किया गया है। चाहे आप एक महत्वाकांक्षी डिज़ाइनर हों, AI-फर्स्ट कोडर हों, या नेक्स्ट-जेन गेमर हों, क्रोमा में आपको लैपटॉप, टैबलेट, स्मार्टफोन और एक्सेसरीज़ पर छात्रों के लिए आसान कीमतों पर आकर्षक डील मिल रही हैं।

बड़े-बड़े ब्रांडों के उत्पाद, शून्य-लागत EMI, कैशबैक और छात्रों के लिए विशेष योजनाओं का लाभ उठाकर अपने शैक्षणिक और क्रिएटिव भविष्य में निवेश करने का बहुत बढ़िया अवसर क्रोमा दे रहा है। कुछ चुनिंदा ऑफ़र:

मैकबुक एयर एम2: कीमत 46,390* रुपये से शुरू, छात्रों के लिए डिस्काउंट, एक्सचेंज बोनस और 10,000 रुपये तक कैशबैक के साथ

सैमसंग गैलेक्सी टैब एस9 5G: हर महीने सिर्फ़ 3,849 रुपये - लेक्चर, मल्टीटास्किंग और मनोरंजन के लिए बेहतरीन

एआई विंडोज़ लैपटॉप: कीमत 55,990* रुपये से शुरू, Microsoft Office के साथ, 24 महीने तक की ज़ीरो-कॉस्ट EMI और 10,000 रुपये तक का कैशबैक

200 से ज़्यादा शहरों में 560 से ज़्यादा स्टोर का क्रोमा का व्यापक नेटवर्क यह सुनिश्चित करता है कि मेट्रो, टियर-2 शहरों और दूसरे कई इलाकों के छात्रों को एक्सक्लूसिव क्यूरेटेड योजनाएं और छूट के लाभ मिल सकें:

सभी मेट्रो शहर: AI-PC की कीमतें 54,990* रुपये से शुरू (एक्सचेंज शामिल) मुफ़्त कीबोर्ड-माउस कॉम्बो, एंटीवायरस और नॉइज़ विक्टर वॉच (कीमत 2,499) के साथ। 52,990 से शुरू होने वाले गेमिंग लैपटॉप में माइक्रोसॉफ्ट होम एंड स्टूडेंट, गेमिंग माउस और प्रीमियम एंटीवायरस (कीमत 2,590) शामिल हैं।

हर आंगन में हरियाली "एक पेड़ माँ के नाम 2.0"

50 हजार आवास हितग्राहियों के परिसरों में लगाए गए 01 लाख से अधिक पौधे

गिनीज बुक ऑफवर्ल्ड रिकॉर्ड में किया गया दर्ज

लोहड़िया रामपुर में जिला स्तरीय वृक्षारोपण कार्यक्रम में शामिल हुए उप मुख्यमंत्री साव, पौधारोपण कर जल व पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

वृक्षारोपण पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी और प्रकृति से भावनात्मक जुड़ाव का प्रतीकः उप मुख्यमंत्री

मुंगेली (समय दर्शन) हर आंगन में हरियाली लाने "एक पेड़ मां के नाम 2.0" वृक्षारोपण महाअभियान के तहत जिले में पर्यावरण संरक्षण को नई दिशा देने के लिए अभिनव पहल की गई। जिला प्रशासन द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना के 50 हजार हितग्राहियों के निवास परिसरों में 01 लाख से अधिक पौधे रोपे गए। इस अनूठे और भावनात्मक अभियान के माध्यम से ना केवल हरियाली बढ़ाने का प्रयास हुआ, बल्कि मातृत्व के प्रति सम्मान भी व्यक्त किया गया।

इस अभिनव पहल को गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज किया गया। इस महाअभियान का जिला स्तरीय भव्य कार्यक्रम मुंगेली विकासखंड के ग्राम लोहड़िया रामपुर स्थित महात्मा गांधी आक्सीजोन परिसर में आयोजित हुआ, जिसमें छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री अरुण साव मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने आम के पौधे का रोपण कर जल और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस दौरान मुंगेली विधायक पुन्नूलाल मोहले, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीकांत पाण्डेय, कलेक्टर कुन्दन कुमार, पुलिस अधीक्षक भोजराम पटेल, वनमंडलाधिकारी अभिनव कुमार, जिला पंचायत सीईओ प्रभाकर पाण्डेय ने भी आम के पौधे का रोपण कर पर्यावरण के संरक्षण का संदेश दिया। कार्यक्रम में जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्रीमती शांति देवचरण भास्कर, मुंगेली एसडीएम श्रीमती पार्वती पटेल सहित संबंधित अधिकारी, जनद पंचायत उपाध्यक्ष श्रीमती पुष्पलता पदमिनी मोहले और गणमान्य नागरिक दीनानाथ केशरवानी मौजूद रहे। श्रीमती सोनल शर्मा ने जिला प्रशासन की इस उपलब्धि के लिए गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड का प्रमाण पत्र प्रदान कर बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उप मुख्यमंत्री साव ने कहा कि वृक्षारोपण न केवल पर्यावरण के प्रति हमारी जिम्मेदारी को व्यक्त करता है, बल्कि प्रकृति से भावनात्मक जुड़ाव का भी प्रतीक है। जिले में इस वृक्षारोपण अभियान के तहत एक लाख से ज्यादा पौधे का रोपण कर वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया गया है, जिससे यह गिनीज़ बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में शामिल हो गया है, इसके लिए आप सभी बधाई के पात्र हैं। उन्होंने कहा कि आने वाली पीढ़ियों का जीवन स्वस्थ और सुखद हो, इसके लिए पौधे लगाना अति आवश्यक है। वृक्षारोपण का यह क्रम टूटना नहीं चाहिए, पर्यावरण संरक्षण हम सबकी जिम्मेदारी है। उप मुख्यमंत्री साव ने घटते जलस्तर पर चिंता व्यक्त करते हुए जल संरक्षण के लिए ज्यादा से ज्यादा पेड़ लगाने और वर्षा जल संरक्षण के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने रामपुर में सी.सी. रोड निर्माण के लिए 20 लाख रुपए की घोषणा की।

विधायक मोहले ने वृक्षारोपण अभियान के लिए जिला प्रशासन को धन्यवाद दिया। उन्होंने पर्यावरण के संरक्षण और हरा-भरा बनाए रखने के लिए पेड़ लगाने प्रोत्साहित किया। साथ ही गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज होने के लिए जिला प्रशासन की पूरी टीम को बधाई एवं शुभकामनाएं दी। कलेक्टर कुन्दन कुमार ने कहा कि जिला प्रशासन द्वारा शिक्षा, स्वास्थ्य किसी भी क्षेत्र में नया कीर्तिमान रचने का प्रयास किया जा रहा है और इसी कड़ी में पीएम आवास हितग्राहियो के घरों में वृक्षारोपण महाभियान को गोल्डन बुक ऑफ़ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में स्थान मिला है, जो जिले के लिए गर्व की बात है। इसके लिए उन्होंने सभी अधिकारियों-कर्मचारियों को बधाई दी। कलेक्टर ने कहा कि कोई भी विशेष कार्यक्रम हो, गॉव, स्कूल कहीं भी सुरक्षित जगह पर पौधा लगाईए और पर्यावरण का संरक्षण करिए।

पुलिस अधीक्षक ने कहा कि वृक्ष परोपकार एवं पुण्य का प्रतीक होता है, पर्यावरण सरंक्षण के लिए हम सभी को पौधारोपण करना चाहिए। पौधों का अपने बच्चों के समान ही देखभाल करें, जब तक वह बड़ा न हो जाए, तभी हमारा पौधा लगाना सार्थक होगा। वनमंडलाधिकारी ने कहा कि दुनिया के समक्ष जलवायु परिवर्तन, बढ़ता तापमान, जल संकट जैसी चुनौतियां हैं, इससे बचने के लिए एक पेड़ लगाना आवश्यक है, जैसे बूंद-बूंद पानी से समुद्र बनता है, वैसे एक-एक पेड़ से ही जंगल बनेगा। जिला पंचायत अध्यक्ष ने पर्यावरण को बचाने वृक्षारोपण पर जोर दिया। कार्यक्रम के समापन में पर्यावरण संरक्षण और संवर्धन में योगदान देने वालों को प्रशस्ति पत्र और स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया गया। जिला पंचायत सीईओ ने कार्यक्रम के सफल कार्यक्रम के लिए आभार व्यक्त किया। इस दौरान जिला पंचायत सदस्य उमाशंकर साहू, पवन पाण्डेय, अन्य जनप्रतिनिधिगण, स्व सहायता समूह की दीदी और बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कॉमर्स मुंगेली इकाई का भव्य शपथ ग्रहण समारोह संपन्न

व्यापारिक एकता, विकास का संकल्प और चेम्बर भवन निर्माण के लिए 40 लाख की घोषणाएं

मुंगेली(समय दर्शन) छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री की जिला इकाई मुंगेली की नवगठित कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह शनिवार को नगर के प्रतिष्ठित स्थल पर भव्य एवं गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू रहे, वहीं अध्यक्षता उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने की।विशिष्ट अतिथियों में रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल, मुंगेली विधायक पुन्नूलाल मोहले, बिल्हा विधायक धरमलाल कौशिक, बिलासपुर विधायक अमर अग्रवाल, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीकांत पांडे, जनपद अध्यक्ष रामकमल ठाकुर तथा भाजपा जिला अध्यक्ष दीनानाथ केशरवानी सहित अनेक गणमान्य उपस्थित रहे।कार्यक्रम की शुरुआत भगवान श्री गणेश की पूजा-अर्चना एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुई। मंचस्थ अतिथियों का शाल, श्रीफल व पुष्पहार से सम्मान कर आत्मीय स्वागत किया गया।

विकसित भारत के निर्माण में व्यापारियों की भूमिका महत्वपूर्ण तोखन साहू कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू ने कहा कि यह आयोजन केवल एक औपचारिकता नहीं, बल्कि विकसित भारत की नींव में व्यापारियों की भूमिका को सशक्त रूप से प्रस्तुत करने का अवसर है। उन्होंने Ease श्द्ध Doing Business, डिजिटल व्यापार, पारदर्शिता, Startup India जैसी योजनाओं का उल्लेख करते हुए 'ङ्कश्ष्ड्डद्य द्घश्रह्म स्रश्ष्ड्डद्य' की भावना को अपनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि स्थानीय उत्पादों को ब्रांडिंग, ई-कॉमर्स और निर्यात से जोड़ने की दिशा में प्रयास होना चाहिए।

उन्होंने यह भी घोषणा कि मुंगेली में चेम्बर ऑफ कॉमर्स भवन निर्माण के लिए वे 15 लाख रुपये प्रदान करेंगे।

व्यापारियों की एकता से ही विकास संभव उपमुख्यमंत्री अरुण साव उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने मुंगेली के व्यापारियों की एकजुटता की प्रशंसा करते हुए इसे जिले के सर्वांगीण विकास का आधार बताया। उन्होंने भी चेम्बर भवन निर्माण के लिए 25 लाख रुपये की घोषणा की और आश्वासन दिया कि व्यापारी हितों की रक्षा में सरकार हमेशा साथ खड़ी रहेगी।व्यापारी वर्ग राष्ट्र निर्माण का आधार बृजमोहन अग्रवाल रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने आतिशबाजी और गर्मजोशी से स्वागत करने के लिए धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि व्यापारी वर्ग सरकार को कर तो देता ही है, साथ ही गांव-गांव तक रोजगार, उत्पाद और सेवाएं पहुंचाकर सामाजिक अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान करता है। उन्होंने मुंगेली को एक भव्य ऑडिटोरियम देने का भी आश्वासन दिया।व्यापारिक संगठन को नई दिशा देगी नई कार्यकारिणी प्रेम आर्य चेम्बर ऑफ कॉमर्स के प्रदेश उपाध्यक्ष प्रेम आर्य ने मंच से चेम्बर भवन की आवश्यकता को रेखांकित करते हुए कहा कि यह भवन मुंगेली व्यापारियों की पहचान और संगठन की मजबूती का प्रतीक बनेगा। उन्होंने कहा कि व्यापारीगण सरकार की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने में कंधे से कंधा मिलाकर कार्य कर रहे हैं।कार्यक्रम का संचालन अशोक सोनी ने कुशलता से किया। समारोह में बड़ी संख्या में व्यापारियों, जनप्रतिनिधियों और प्रशासनिक अधिकारियों की उपस्थिति ने आयोजन को ऐतिहासिक बना दिया।

नई कार्यकारिणी की घोषणा, नरेंद्र कोटडिया बने अध्यक्ष

मुंगेली छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज रायपुर (छ.ग.) की प्रदेश अध्यक्ष सतीश थौरानी के मार्गदर्शन में मुंगेली जिला इकाई की नई कार्यकारिणी की औपचारिक घोषणा की गई। नवनियुक्त अध्यक्ष नरेंद्र कोटडिया ने कार्यकारिणी की सूची जारी की, जिसमें अनुभवी, नवाचारी एवं सामाजिक रूप से सक्रिय व्यापारियों को सम्मिलित किया गया है।संरक्षकगण निश्चल गुप्ता (पथरिया)शैलेन्द्र जायसवाल महेश ठाकुर प्रमुख पदाधिकारी

अध्यक्ष नरेंद्र कोटडिया

कार्यकारिणी अध्यक्ष अशोक मंगलानी उपाध्यक्ष बंशी भाटवानी, गुरजीत सिंह मक्कड़, जगदीश सोनी (लोरमी)महामंत्री कोमल शर्मा मंत्री राम तलरेजा, सुदामा देवांगन योगेश पाठक

कोषाध्यक्ष वैभव ताम्रकार
उपकोषाध्यक्ष दिनेश गोयल
मीडिया प्रभारी प्रीतेश आर्य

कार्यकारिणी सदस्य राजकुमार वाधवा, अमितेश आर्य, रवि आरतानी, गिरीश सुथार, रामशरण यादव, समीम मोहम्मद, धीरज सोनी, मिट्ठूलाल यादव, जीवन मंगलानी नवगठित कार्यकारिणी को शुभकामनाएं देते हुए अध्यक्ष नरेंद्र कोटडिया ने कहा कि यह टीम व्यापारियों की समस्याओं के समाधान तथा संगठन को सशक्त बनाने में पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करेगी।इस गरिमामय अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष रोहित शुक्ला, उपाध्यक्ष जयप्रकाश मिश्रा, प्रेस क्लब अध्यक्ष अनिल सोनी, पूर्व अध्यक्ष हेमेंद्र गोस्वामी, अधिवक्ता संघ अध्यक्ष राजमन सिंह सहित प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया प्रतिनिधि तथा बड़ी संख्या में व्यापारीगण उपस्थित रहे। यह आयोजन मुंगेली व्यापारिक इतिहास में एक नई इबारत के रूप में दर्ज हो गया, जिसने संगठन की शक्ति, सहभागिता और विकास के प्रति प्रतिबद्धता को प्रदर्शित किया।

शासकीय प्राथमिक शाला जोगीदादार में हुआ नेवता भोज का आयोजन

शिक्षक केशव प्रसाद साहू ने अपने जन्मदिन पर एक पेड़ मां के नाम के तहत किया वृक्षारोपण।

सरायपाली (समय दर्शन) - विकासखंड में स्कूली बच्चों को स्वादिष्ट एवं पौष्टिक भोजन देने के लिए प्रधानमंत्री पोषण शक्ति योजना अंतर्गत 'नेवता भोज' एवं प्रकृति तथा पर्यावरण के प्रति जागरूकता लाने हेतु 'एक पेड़ माँ के नाम' जैसे महत्वपूर्ण कार्यक्रम संचालित हैं। इस कार्यक्रम के अंतर्गत शासकीय प्राथमिक शाला जोगीदादर में पदस्थ सहायक शिक्षक श्री केशव प्रसाद साहू ने अपने स्कूल में वृक्षारोपण करके एवं आँगनबाड़ी तथा प्राथमिक शाला के बच्चों को नेवता भोज देकर अपना जन्मदिन मनाया। प्रकृति के प्रति कृतज्ञ एवं बच्चों से प्रेम करने वाले साहू सर पिछ्ले कई वर्षों से अपना जन्मदिन बच्चों के साथ मनाते आ रहे हैं एवं हर वर्ष फलदार, फूलदार तथा सजावटी पौधे विद्यालय में लगाते हैं।

इस वर्ष उन्होंने मुसाण्डा और बॉटल ब्रश जैसे पौधे लगाए। साथ ही बच्चों को नेवता भोज में हलवा, पूड़ी, समोसा, जलेबी, केला और चॉकलेट खिलाया। 'नेवता भोज' से बच्चे बहुत प्रसन्न एवं उत्साहित हुए। अपने चहेते सर को जन्मदिन पर बच्चों ने माँ सरस्वती की फोटो, पेन, बिस्किट आदि भेंट देकर बधाई दी। इस अवसर पर प्रधान पाठक श्री विजय कुमार भवसागर, संकुल के शिक्षक साथी श्री गुणवंत भोई, श्री कार्तिक राम बारीक, स्स्ष्ट सदस्य एवं विद्यालय के भूतपूर्व छात्र तथा युवा साथी मौजूद रहे।

खबर-खास

विधानसभा, लोकसभा परिसीमन के पूर्व विकासखण्डों का किया जावे परिसीमन-मुरलीधर सिन्हा

गरियाबंद। भाजपा सहकारिता प्रकोष्ठ छत्तीसगढ़ प्रदेश कार्यसमिति सदस्य एवं पूर्व जिला महामन्त्री मुरलीधर सिन्हा ने एक विज्ञप्ति जारी करते हुए कहा कि भारत की जनगणना दो चरणों में होने की अधिसूचना जारी कर दिया है जिसमें जाति जनगणना होना भी बताया गया जिसके पश्चात विधानसभा/लोकसभा क्षेत्रों का परिसीमन होना है।श्री सिन्हा ने बताया कि विधानसभा एवं लोकसभा क्षेत्रों का अनेकों बार परिसीमन हुए हैं लेकिन विकासखण्डों का परिसीमन वर्ष 1981 के बाद नहीं हुआ है जबकि जनसँख्या तीन गुना से भी ज्यादा बढ़ चुकी है और समय की माँग है कि ब्लॉक डवलपमेंट (विकासखण्ड) को युक्तियुक्तकरण करने की आवश्यकता है क्योंकि जनसँख्या के साथ-साथ दूरी भी कम करने की जरूरत है।उन्होंने एक उदाहरण देते हुए कहा कि गरियाबंद जिला के मैनपुर विकासखण्ड के गाँव की दूरी मुख्यालय से 90 से 100 किमी है, आम जनता एवं जनप्रतिनिधियों को आने-जाने आवागमन में धन एवं समय की बर्बादी होती है,मानसिक व आर्थिक नुकसान ज्यादा होता है जबकि नजदीक विकास खण्ड देवभोग से मैनपुर विकासखण्ड का लगा ग्रामों की दूरी महज 5 या 10 किमी है यदि ऐसे ग्रामों को परिसीमन किये जाते हैं और नया विकासखण्ड ध्रुवागुड़ी बन जायेंगे तो आम जनता को बहुत ही सहूलियत होगी।गरियाबंद जिला में आज की स्थिति में राजिम,पाण्डुका,ध्रुवागुड़ी,झाखरपारा जैसे क्षेत्र को विकासखण्ड बनाना अति आवश्यक है इसलिये जनगणना के बाद विधानसभा व लोकसभा क्षेत्रों का परिसीमन करने के पूर्व विकासखण्डों का परिसीमन करके युक्तियुक्त बनाने भाजपा नेता मुरलीधर सिन्हा ने क्षेत्र के सांसद, विधायकों,जिला पंचायत/जनपद पंचायत एवं अन्य क्षेत्रों के जनप्रतिनिधियों से सरकार तक ले जाने की माँग किये हैं।

गुरु पूर्णिमा पर 'लाफ्टर शेफ्स' को आशीर्वाद देने एकत्र हुए देशभर के प्रतिष्ठित पंडित

नईदिल्ली। गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर कलर्स के शो लाफ्टर शेफ्स अनलिमिटेड एंटरटेनमेंट के सेट पर एक अनोखा और भावुक क्षण देखने को मिला, जब देशभर के नौ प्रतिष्ठित पंडितों ने अपनी उपस्थिति और आशीर्वाद से शो को विशेष बना दिया। गुरुजनों को समर्पित शो ने अपने मूल भाव—हंसी, हलचल और सांस्कृतिक श्रद्धा—का खूबसूरती से संगम किया और भारतीय टेलीविजन पर एक यादगार पल रच दिया। एपिसोड की विशेष झलक ब्राह्मण भोज रही — एक पारंपरिक भोज, जिसे सेलिब्रिटी शेफ्स ने पूरे प्रेम और श्रद्धा के साथ पंडितों को परोसा। यह केवल एक भोज नहीं, बल्कि एक आध्यात्मिक कृतज्ञता का प्रतीक था। इस खास मौके पर भारतीय संस्कृति की जीवंत झलक देखने को मिली, जहां परंपरा और हास्य एक साथ चलते हैं। पंडितों ने न केवल शो को आशीर्वाद दिया, बल्कि शेफ्स के साथ हंसी-मजाक, आत्मीयता और व्यंग्य में भी भागीदारी की। यह एपिसोड इस बात की याद दिलाता है कि चाहे बात किचन की हो या पंचलाइन की — भारत अपनी आध्यात्मिक जड़ों से कभी नहीं भटकता।

एक करोड़ से अधिक कीमत की अवैध तंबाकू व पान मसाला सहित ट्रक जब्त

कुकदूर पुलिस की बड़ी कार्रवाई

कवर्धा (समय दर्शन)। बिना वैध दस्तावेज के पान मसाला (गुटका) और च्युइंग तंबाकू सेभरी ट्रैक पर कार्यवाही करते हुए पुलिस ने 228 बोरी पान मसाला और तंबाकू के साथ परिवहन में उपयोग किए गए ट्रक जब्त करने में सफलता पाई है। यह कार्रवाई कुकदूर पुलिस ने की है।

पुलिस अधीक्षक धर्मेन्द्र सिंह (भा.पु.से.) के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पुष्पेन्द्र बघेल एवं पंकज पटेल के मार्गदर्शन में एसडीओपी पंडरिया भूपत सिंह धनेश्री के पर्यवेक्षण तथा थाना प्रभारी कुकदूर निरीक्षक आशीष कंसारी के नेतृत्व में की गई। थाना कुकदूर की सतर्क टीम ने चेकिंग के दौरान दिल्ली-पंजाब-आसाम रोड लाइंस के माध्यम से एक संदिग्ध ट्रक क्रमांक एचआर 55 एके 9119 को रोका। जांच करने पर ट्रक में अवैध रूप से भारी मात्रा में प्रतिबंधित तंबाकू उत्पाद परिवहन किया जा रहा था।

पुलिस ने बताया कि ट्रक में कुल 190 बोरियों में पान मसाला, जिसमें लगभग 15, 96,000 पाउच (कीमत लगभग ?63, 84,000) और 38 बोरियों में च्युइंग तंबाकू, अनुमानित 15, 96,000 पाउच (कीमत लगभग ?15, 96,000)

बरामद किया गया है। वहीं परिवहन के उपयोग में लाए ट्रक की अनुमानित कीमत ?25 लाख आँकी गई है। इस प्रकार कुल जब्त संपत्ति की कीमत 1, करोड़ 04, लाख 80,000 से अधिक बताई गई है।

वाहन चालक सुरजीत सिंह पिता मुनैश सिंह 24 वर्ष, निवासी बड़ाखेड़ा, थाना मलावन, जिला एटा (उत्तर प्रदेश) कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए संपूर्ण माल व वाहन को जप्त कर धारा 106 बीएनएसएस के अंतर्गत कठोर वैधानिक कार्यवाही प्रारंभ की है। यह माल दिल्ली से कटक (उड़ीसा) ले जाया जा रहा था और प्रथम दृष्टया यह माल तस्करी के उद्देश्य से ले जाया जाना प्रतीत हो रहा है। ट्रक को थाना परिसर में खड़ा कर विस्तृत जांच की जा रही है और अन्य संलिप्त व्यक्तियों की तलाश की जा रही है।

इस कार्यवाही में थाना कुकदूर पुलिस की सतर्कता, समर्पण और कर्तव्यनिष्ठा स्पष्ट रूप से परिलक्षित होती है। पुलिस की यह कार्रवाई न केवल अवैध मुनाफाखोरों के लिए कड़ा संदेश है, बल्कि यह भरोसा भी देती है कि जिले में कोई भी अवैध गतिविधि बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

मौसीबाड़ी से निजधाम लौटे जगत के नाथ: भक्तिभाव से सजी बहुड़ा यात्रा,गूंजे जयकारे

गरियाबंद (समय दर्शन)। श्रावण मास की पावन बेला में आज गरियाबंद भक्तिमय हो उठा,जब जगत के पालनहार भगवान श्रीजगन्नाथ अपनी मौसी के घर से अपने निजधाम श्रीमंदिर की ओर लौटे।नौ दिवसीय विश्राम के बाद भगवान बलभद्र और बहन सुभद्रा के साथ जब वे रथ पर सवार होकर बहुड़ा यात्रा पर निकले,तो पूरा शहर हरि नाम के उद्घोष से गूंज उठा।

नगर में दोपहर 3 बजे जैसे ही यात्रा आरंभ हुई,श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ पड़ा।जय जगन्नाथ के नारों के बीच ढोल नगाड़ों की थाप पर भक्तों की टोलियाँ झूम उठीं।रथ मार्ग को भव्य रूप से सजाया गया था,जगह-जगह पुष्पवर्षा की गई और शुद्ध जल से रथों का अभिषेक हुआ।

श्री जगन्नाथ परिवार युवा बल समिति के सदस्यों ने बताया कि यह आयोजन केवल एक परंपरा नहीं,बल्कि श्रद्धा और आस्था का जीवंत प्रमाण है।समिति हर वर्ष इस उत्सव को और दिव्य रूप देने का संकल्प लेती है। भगवान की कृपा से यह आयोजन पूरी भक्ति और समर्पण भाव से सम्पन्न हुआ।छत्तीसगढ़ के अन्य हिस्सों में भी बहुड़ा यात्रा की झलक देखने को मिली।सुबह से मंदिरों में भजन-कीर्तन,आरती और विशेष पूजा-पाठ का आयोजन हुआ।रथ गर्भगृह में पहुंचने के बाद भगवान श्रीजगन्नाथ योगनिद्रा में प्रवेश करेंगे।धार्मिक मान्यता के अनुसार,जब भगवान जगन्नाथ चीर निद्रा में चले जाते हैं, तब पांच महीने तक सभी मांगलिक कार्यों पर विराम लग जाता है।यह काल देवशयन एकादशी से देव उठनी एकादशी तक का माना जाता है। जब प्रभु की नींद टूटती है, तभी से शुभ कार्यों जैसे तुलसी विवाह, शालिग्राम विवाह,विवाह आदि पुनः आरंभ होते हैं।

बहुड़ा यात्रा का धार्मिक महत्व,,,,'बहुड़ा' ओड़िया भाषा का शब्द है,जिसका अर्थ होता है वापसी।यह यात्रा भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा का समापन करती है। जहां रथ यात्रा में भगवान मौसीबाड़ी (गुंडिचा मंदिर) की ओर जाते हैं, वहीं बहुड़ा यात्रा में वे अपने मूल निवास लौटते हैं। तीनों रथों भगवान बलभद्र का तालध्वज, देवी सुभद्रा का दर्पदलन,और भगवान जगन्नाथ का नंदीघोष आज दक्षिण दिशा की ओर मुड़कर श्रीमंदिर की ओर प्रस्थान कर चुके हैं।रास्ते भर श्रद्धालुओं ने न केवल दर्शन किए,बल्कि भक्ति रस में सराबोर होकर कीर्तन,नृत्य और सेवा में भाग लिया। इस दिव्य आयोजन ने न केवल धार्मिक चेतना को जागृत किया, बल्कि सामाजिक एकता और सांस्कृतिक समृद्धि का संदेश भी दिया।

अवैध गांजा मादक पदार्थ व वन्य जीव हिरण का पुराना खाल के साथ दो आरोपी गिरफ्तार

गरियाबंद। जिले के वरिष्ठ अधिकारियों के द्वारा समस्त थाना प्रभारियों को अपने अपने थाना क्षेत्रों में अवैध गांजा,शराब एवं वन्य जीव के परिवहन एवं बिक्री में रोक लगाने के साथ कडी कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए थे। जिसके परिपालन में समस्त थाना प्रभारियों द्वारा अपने-अपने थाना क्षेत्रों में मुखबीर एवं पेट्रोलिंग को सक्रिय किया गया था। जिन्हें 5 जुलाई को मुखबीर से थाना छुरा को सूचना मिला कि, एक महिला एवं एक पुरूष ग्राम कनसिंघी शिव मंदिर के पास एक पीला रंग के थैला एवं एक सफेद रंग की प्लास्टिक बोरी के अंदर में अवैध मादक पदार्थ एवं वन्य जीव हिरण का पुराना खाल छुपाकर बिक्री हेतु ग्राहक का इंतजार कर रहे है इस सूचना पर थाना स्टाफके मुखबीर द्वारा बताए गये घटना स्थल एवं हुलिया के आधार पर ग्राम कनसिंघी शिव मंदिर के पास पहुंचकर एक महिला व एक पुरूष को घेराबंदी कर पकड़ा गया।जिससे महिला स्टाफ की उपस्थिति में पुछताछ करने पर अपना नाम खिलावन दास वैष्णव पिता भगवान दास वैष्णव उम्र 42 वर्ष एवं महिला ने अपना नाम सेवती बाई वैष्णव पति खिलावन दास वैष्णव उम्र 40 वर्ष निवासी कनसिंघी थाना छुरा का रहने वाले होना बताये।

गारियाबंद से बिहार तक: आदिवासी युवा की कैमरे के ज़रिए मुसहर समुदाय की सच्चाई तक पहुँच

गारियाबंद। छत्तीसगढ़ के गारियाबंद जिले से निकले एक आदिवासी युवा फिल्ममेकर तुमलेश कुमार नेटी इन दिनों बिहार के जमुई ज़िले में मुसहर समुदाय पर एक डॉक्यूमेंट्री फिल्म बना रहे हैं, जो ळतममद Hub Fellowship (2024-25) के अंतर्गत उनकी इंटर्नशिप प्रोजेक्ट फिल्म है। यह फिल्म मुसहर समुदाय की उन बेटियों की कहानी है, जो कभी ईंट भट्ठों पर काम करती थीं लेकिन आज शिक्षा की ओर अपने कदम बढ़ा रही हैं। तुमलेश बताते हैं, मैंने गारियाबंद में रहकर प्रकृति और समुदाय के गहरे रिश्ते को महसूस किया है। Green Hub Fellowship के दौरान मुझे ये मौका मिला कि मैं बिहार आकर इस तरह की ज़मीन से जुड़ी कहानी को दस्तावेज़ बना सकूं।卐यह डॉक्यूमेंट्री 'ईंट भट्ठी से स्कूल तक' नाम से तैयार की जा रही है,जो समग्र सेवा संस्था के सहयोग से बनाई जा रही है। इस फिल्म में यह दिखाया गया है कि कैसे मुसहर जैसे हाशिए पर खड़े समुदाय में भी शिक्षा और आत्म-सम्मान की लौ जल रही है। तुमलेश ने इससे पहले Adivasi Lives Matter औरU Tata Steel FoundationÓs Tribal Leadership Program जैसे पहलों में भाग लिया है, और लगातार जलवायु परिवर्तन, सामाजिक न्याय और आदिवासी जीवन से जुड़ी कहानियों पर फिल्में बना रहे हैं। उनकी यह यात्रा गारियाबंद के युवाओं के लिए एक प्रेरणा है — यह बताने के लिए कि सीमाएँ चाहे जितनी हों, अगर उद्देश्य साफ़ हो तो एक कैमरा भी परिवर्तन की भाषा बन सकता है।

मलाबार गोल्ड एंड डायमंड्स ने हैदराबाद में ऐतिहासिक एकीकृत विनिर्माण इकाई का किया उद्घाटन, वैश्विक स्तर पर विनिर्माण क्षेत्र में अपनी अग्रणी स्थिति को किया और मजबूत

मुंबई: दुनिया के पांचवें सबसे बड़े खुदरा आभूषण विक्रेता (ज्वेलरी रिटेलर) मलाबार गोल्ड एंड डायमंड्स ने हैदराबाद, तेलंगाना में अत्याधुनिक, पूरी तरह से एकीकृत (इंटीग्रेटेड) आभूषण विनिर्माण इकाई (ज्वेलरी मैन्यूफैक्चरिंग यूनिट) की शुरुआत की है. यह इकाई अपनी तरह की सबसे बड़ी है। मलाबार गोल्ड के 13 देशों में 400 से ज्यादा शोरूम हैं। रंगा रेड्डी जिले के महेश्वरम के जनरल पार्क में स्थित और 3.45 लाख वर्ग फुट में फैली, अपनी तरह की यह पहली एकीकृत विनिर्माण इकाई, भारत और जीसीसी देशों में समूह की 14 विनिर्माण इकाइयों में सबसे बड़ी है। एकीकृत विनिर्माण इकाई में डिजाइनिंग, रिफाइनिंग, विनिर्माण (मैन्यूफैक्चरिंग), क्वालिटी एश्योरेंस, हॉलमार्किंग, वेयरहाउसिंग और सप्लाई चेन मैनेजमेंट जैसे सभी प्रमुख कार्य एक ही परिसर में हो सकते हैं। इस इकाई में सालाना 4.7 टन से अधिक सोने के गहने और 1.8 लाख कैरेट हीरे के गहने बन सकते हैं। इसके अलावा इस यूनिट में हर वर्ष 78 टन सोने की रिफाइनिंग हो सकती है। इस इकाई में 18 राज्यों के 2,750 कुशल कारीगर काम कर रहे हैं और यहां वर्कफोर्स की सेफ्टी, सिक्योरिटी, बेहतरी और सुविधा भी सुनिश्चित की जाती है। इस इकाई के कुल कार्यबल (वर्कफोर्स) में से 40 प्रतिशत की भर्ती स्थानीय आबादी से की गई है और कुल कार्यबल में पुरुष और महिला का अनुपात 80:20 का है। तेलंगाना के मुख्यमंत्री श्री रेवंत रेड्डी ने जनरल पार्क इकाई का आधिकारिक रूप से उद्घाटन किया। मलाबार ग्रुप के चेयरमैन एम. पी. अहमद, वाइस-चेयरमैन अब्दुल सलाम के.पी; मलाबार गोल्ड एंड डायमंड्स के मैनेजिंग डायरेक्टर (इंडिया ऑपरेशंस) आशेर ओ; एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर निषाद ए के और मलाबार ग्रुप के शीर्ष मैनेजमेंट के अन्य सदस्यों, तेलंगाना सरकार के अन्य गणमान्य लोगों एवं शुभचिंतकों की गरिमामयी उपस्थिति में इस इकाई की शुरुआत हुई। उत्पादन क्षमता बढ़ने से समूह को 'मेक इन इंडिया, मार्केट टू द वर्ल्ड' के अपने विजन के अनुरूप भारत और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में आक्रामक तरीके से अपने खुदरा कारोबार को बढ़ाने में मदद मिलेगी। मलाबार गोल्ड एंड डायमंड्स की सोने एवं हीरे के गहनों की कुल सालाना उत्पादन क्षमता 40.68 टनऔर 3.61 लाख कैरेटसे अधिक है।

!! न्यायालय तहसीलदार पाटन जिला दुर्ग छ.ग.!!

ईश्तहार

राजस्व प्रकरण ब/121
वर्ष 2025

एतद् द्वारा आम जनता एवं सर्वसाधारण को सूचना प्रकाशित किया जाता है कि आवेदक मन्ना लाल निषाद पिता स्व. अघनू राम निषाद निवासी बोरेन्दा तहसील पाटन जिला दुर्ग छ.ग. के द्वारा आवेदन पेश किया है कि मेरे पुत्री डॉली निषाद पिता मन्ना लाल निषाद का जन्म दिनांक 06.02.2011 को ग्राम बोरेन्दा तहसील पाटन जिला दुर्ग में जन्म होने के कारण जन्म प्रमाण पत्र प्राप्त करने के लिये आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन है।

अतः आवेदक मन्ना लाल निषाद पिता स्व. अघनू राम निषाद निवासी बोरेन्दा तहसील पाटन जिला दुर्ग छ.ग. द्वारा प्रस्तुत आवेदन पत्र के आधार पर उपरोक्तानुसार जन्म प्रमाण पत्र प्राप्त किये जाने की कार्यवाही पर जिस किसी व्यक्ति / संस्था को आपत्ति हो तो अपनी लिखित आपत्ति प्रकरण में सुनवाई तिथि 18/07/2025 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियम तिथि के पश्चात् प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार का विचार नही किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 03/07/2025 को जारी किया गया।

मुहर

कार्यपालिक दंडाधिकारी
पाटन जिला-दुर्ग (छ.ग.)

!! न्यायालय तहसीलदार पाटन जिला दुर्ग छ.ग.!!

ईश्तहार

राजस्व प्रकरण ब/121
वर्ष 2025

एतद् द्वारा आम जनता एवं सर्वसाधारण को सूचना प्रकाशित किया जाता है कि आवेदक माताशरण विश्वकर्मा पिता स्व. विष्णु राम निवासी केसरा तहसील पाटन जिला दुर्ग छ.ग. के द्वारा आवेदन पेश किया है कि मेरे पुत्र विवेक विश्वकर्मा पिता माताशरण विश्वकर्मा का जन्म दिनांक 17.02.2018 को ग्राम केसरा तहसील पाटन जिला दुर्ग में जन्म होने के कारण जन्म प्रमाण पत्र प्राप्त करने के लिये आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन है।

अतः आवेदक माताशरण विश्वकर्मा पिता स्व. विष्णु राम निवासी केसरा तहसील पाटन जिला दुर्ग छ.ग. द्वारा प्रस्तुत आवेदन पत्र के आधार पर उपरोक्तानुसार जन्म प्रमाण पत्र प्राप्त किये जाने की कार्यवाही पर जिस किसी व्यक्ति / संस्था को आपत्ति हो तो अपनी लिखित आपत्ति प्रकरण में सुनवाई तिथि 18/07/2025 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियम तिथि के पश्चात् प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार का विचार नही किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 03/07/2025 को जारी किया गया।

मुहर

कार्यपालिक दंडाधिकारी
पाटन जिला-दुर्ग (छ.ग.)

SANKAT MOCHAN WIRE INDUSTRIES

PLOT NO 18/0 HIA BHILAI DIST DURG (CG) 490029

(NOTICE U/S 72 OF THE INDIAN PARTNERSHIP ACT 1932)

Notice is hereby given that partnership firm carrying on business under the name and style of **"SANKAT MOCHAN WIRE INDUSTRIES"** vide Partnership Deed dated 26/06/2025 (very first Partnership Deed Dt. 21/07/2017 and subsequent Partnership Deed Dt. 06/07/2023) bearing Regn. No. 22221741304 date of registration 10/08/2017.

Following changes took place in the firm w.e.f. 26/06/2025.

Name of the Retiring Partner and date of his retirement:

1. PANKAJ AGRAWAL (26/06/2025)
   S/O SHRI RAMNATH AGRAWAL

Further take notice that the business will thenceforth be carried on by the remaining/continuing partners under the old name and style (i.e. SANKAT MOCHAN WIRE INDUSTRIES), after that date and neither the continuing partners nor the firm shall be liable for any act done by the retiring partners or any body acting on his behalf after that date.

For SANKAT MOCHAN WIRE INDUSTRIES

PARTNER.

Before Mr. Public Notary Sir Bhanwarpur District-Mahasamund (Chhattisgarh)

Affidavit

I, Girdhari Lal Thuria, age 42 years, father Etwar Singh Thuria, caste Thuria, resident of village and post Lumber, Tehsil-Basna, District-Mahasamund (Chhattisgarh) and make the following sworn statement:-

(01) That my name and address as above is true and correct.

(02) That my son's name is HEMANT KUMAR THURIYA in English, who was born on . He was born on 30.07.2011, whose birth certificate has been issued by Gram Panchayat Lambar.

(03) That the Aadhaar card number of my son Hemant Kumar Dhuria is 270797581398.

(04) That by mistake the name of my son Hemant Kumar Thuriya has been entered in the Aadhaar card of HEMANT KUMAR THURIYA in English as KRISHNA THOORIYA, due to which I am facing a lot of problems in government, semi-government and other important works. For which the name requires correction.

(05) That there is a need to execute the above affidavit to correct the erroneously registered name Krishna Thuriya KRISHNA THOORIYA in the Aadhaar card of my son Hemant Kumar Thuriya in English as HEMANT KUMAR THURIYA and register HEMANT KUMAR THURIYA in English as HEMANT KUMAR THURIYA.

(06) That I have not hidden any material things.

Girdharilal-Swearer

verification

I, Girdhari Lal Thuria, age 42 years, father, Etwar Singh Thuria, caste, Thuria, resident of village and post Lambar Tehsil Basna, District Mahasamund (Chhattisgarh), certify that all the statements mentioned in paragraphs 1 to 6 of the above affidavit are true to the best of my knowledge. And according to belief it is true and correct. Therefore, today, on 18 August 2023, it was signed in front of two known witnesses at Muqam Basna and verified that the Sanad would be useful when needed.

Verifier
Girdharilal

// आई.एफ.सी. एंकर भर्ती विज्ञापन //

एकीकृत फॉर्मिंग कलस्टर अन्तर्गत आईएफसी अन्तर्गत ग्रामीण क्षेत्रों के आजीविका संवर्धन हेतु फॉर्म, ऑफ फार्म एवं नॉन फॉर्म आजीविका अन्तर्गत विभिन्न कार्य जैसे एग्रो इकोलॉजिकल पद्धति, मिट्टी के स्वास्थ्य और जल स्तर पर सुधार, फसल विविधी करण और उत्पादकता में सुधार एवं एग्री न्यूट्रीगार्डन के माध्यम से सुधार, पशुधन प्रबंधन नस्ल में सुधार, समय पर पशु चिकित्सा में देखभाल और टिकाकरण को अपनाकर महिला एवं स्व सहायता समूह सदस्यों मुख्यतः महिला किसानो एवं पशुपालकों के जीविका स्तर को बढ़ाने हेतु राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन अन्तर्गत कलस्टर संगठन को क्रियान्वयन एजेन्सी के रूप में चयन किया गया है इस कार्य के संचालन एवं क्रियान्वयन हेतु आई.एफ.सी. एंकर की भर्ती की जानी है। जिस हेतु इच्छुक व पात्र उम्मीदवारों के आवेदन आमंत्रित है उक्त आई.एफ.सी. एंकर की भर्ती पूर्वकालिक के लिए होगी। यह भर्ती पूर्ण रूप से राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (बिहान) अन्तर्गत कलस्टर संगठन के स्वामित्व के अधीन होगी। इसका किसी भी शासकीय, अर्द्धशासकीय, निजी संस्था से संबंध नहीं है। आवेदन करने की प्रारंभिक तिथि 07/07/2025 व अंतिम तिथि 12/07/2025 को सायं 05:00 तक कार्यालय मुख्य कार्यालय अधिकारी जनपद पंचायत नगरी (एन.आर.एल.एम. शाखा) जिला धमतरी छ0ग0 के पते पर केवल स्पीड पोस्ट रजिस्टर्ड डाक द्वारा प्रेषित किये जा सकते है।

आई.एफ.सी. एंकर (पद की संख्या – 01) हेतु आवश्यक आर्हता, मापदण्ड व मानदेय पत्र का विवरण :–

क्र0	शैक्षणिक योग्यता	न्युन्तम कार्यानुभव (वर्ष)	एकमुश्त मासिक मानदेय (रू)	यात्रा भत्ता (रू में)	वांछित अर्हता
1	2	3	4	5	6
1.	मान्यता प्राप्त विश्वविद्यायलय से कृषि विपणन, उद्यानिकी, कृषि व्यवसाय प्रबंधन से स्नातक समकक्ष।	निर्धारित शैक्षणिक अर्हता उपरांत फील्ड स्तर पर कृषि एवं पशुपालन आधारित आजीविका कार्य का न्युनतम 01 एक वर्ष का कार्यानुभव।	30000/–	3000/–	• यदि कॉलम 2 एवं 3 के अनुसार उम्मीदवारों के अनुपलब्धता होती है तो शासन द्वारा मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से नियमित स्नातक डिग्री के सांथ ग्रामीण स्तर एवं कृषि संबंधित कार्य 02 वर्ष अनुभव वांछित। परिपेक्ष एवं मार्केटिंग में कार्य करने में सक्षम सांथ कि स्थानीय भाषा का ज्ञान हो। • हिन्दी एवं अंग्रेजी भाषा में कार्य करने में सक्षम सांथ हो स्थानीय भाषा का ज्ञान हो। • कम्प्यूटर एवं एम.एस.ऑफिस में कार्य करने वाले दक्ष, हिन्दी एवं अंग्रेजी टाईपिंग आती हों। • रिपोर्ट लेखा एवं डेटा प्रबंधन में दक्षता। • क्षेत्र भ्रमण के लिए आवश्यक समस्त दस्तावेज संहित स्वंय का वाहन (दो–पहिया)

1.आयु सीमा :– दिनांक 01 जनवरी 2025 के स्थिति में 21 वर्ष से कम तथा 45 वर्ष से अधिक न हो। **2.** आई.एफ.सी.एंकर मानदेय को नोडल सी.एल.एफ. द्वारा प्रावधानित आई.एफ.सी.बजट से जारी किया जावेगा। **3. आवेदन पत्र**– विस्तृत व्यक्तिगत, निवास, शैक्षणिक योग्यता, कार्यानुभव, समस्त अंकसूची, फोटो व आवश्यक जानकारी की स्वसत्यापित जानकारी एक सामान्य आवेदन प्रारूप में तैयार कर भेजें।

नोट :– अधिक जानकारी के लिये जनपद पंचायत नगरी NRLM (बिहान शाखा) और मातृ शक्ति संकुल संगठन दुगली में संपर्क कर सकते है।

अध्यक्ष/सचिव/कोषाध्यक्ष
मातृ शक्ति संकुल संगठन दुगली
विकासखण्ड–नगरी, जिला धमतरी (छ0ग0)

संक्षिप्त-खबर

बंसुला स्कूल में सम्पन्न हुआ बालिका स्वच्छता कार्यक्रम

बसना (समय दर्शन)। पूर्व माध्यमिक शाला बंसुला में सरोज देवी फाउंडेशन द्वारा स्वच्छता कार्यक्रम के अंतर्गत बालिकाओं के बीच मासिक धर्म की जानकारी के साथ इस समय ध्यान रखने अति आवश्यक सावधानियों के विषय में अवगत कराया गया। बढ़ती उम्र के साथ मासिक धर्म के कारण बालिकाओं के शरीर में होने वाले परिवर्तन के दौरान संतुलित आहार व पोषण के महत्व को बताया गया। दैनिक योग, प्राणायाम, व्यायाम ,खेल कूद के साथ समसामयिक घटना से जुडे अखबार पठन हेतु जानकारी प्रदान की गयी ।

विषय आधारित प्राविण्यता हेतु विषय विशेषज्ञ शिक्षकों के मार्ग दर्शन में सतत पठन पाठन मे विशेष रूचि के साथ दैनिक अभ्यास करने हेतु प्रेरित किया गया । ये सभी जानकारी कु निकिता भोई के द्वारा दिया गया। इस कार्यक्रम में छठवीं से लेकर आठवीं तक के सभी छात्राएं तथा शिक्षकगण सुजाता प्रधान, मंदाकिनी प्रधान, अनिता साहू, सीता साहू उपस्थित थे।

सहकारी समिति बसना द्वारा वृक्षारोपण

बसना (समय दर्शन)। आज प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति बसना के द्वारा गढ़पटनी और छान्दनपुर धान खरीदी केंद्र स्थल में एक पेड़ माँ के नाम थीम पर सैकड़ों पेड़ लगाए गये। हमारे लोकप्रिय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के आह्वान पर पुरे देश में एक पेड़ माँ के नाम पर पेड़ लगाया जा रहा है। इसी तारतम्य में बसना कृषि साख सहकारी समिति के अध्यक्ष जन्मजय साव के नेतृत्व में बसना ,गढ़पटनी एवं छान्दनपुर धान उपार्जन केंद्रों में कर्मचारियों ने फल,फूल,एवं छायादार युक्त वृक्ष प्रजाति के पौधों का पौधारोपण किया गया।

इस कार्यक्रम में सोसायटी अध्यक्ष जन्म जय साव , ग्राम अरेकेल सरपंच बृजलाल साव , खेमडा ग्राम सरपंच दुर्योधन पटेल , उपसरपंच पिंटू सोनी , समिति प्रबंधक गौतम डडसेना , मनोहर साव , मोहम्मद , जीवन पटेल ,विवेकानंद , संजय , पदमन साव , दीपक सहित कई जनप्रतिनिधि और कर्मचारी गणों ने इस कार्यक्रम में सहभागिता प्रदान किया।

छत्तीसगढ़ बना अपराध का गढ़, संस्कारधानी बनी अपराध धानी : शमसूल आलम

राजनांदगांव। छत्तीसगढ़ में बिगड़ती कानून व्यवस्था और बढ़ते अपराध को लेकर अजीत जोगी युवा मोर्चा के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष शमसूल आलम ने प्रदेश सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि भाजपा शासनकाल में प्रदेश अपराधों का गढ़ बन गया है और संस्कारधानी राजनांदगांव अब अपराध धानी बनती जा रही है। शमसूल आलम ने कहा कि राज्य के गृह मंत्री, उप मुख्यमंत्री एवं राजनांदगांव के प्रभारी मंत्री विजय शर्मा के नेतृत्व में कानून व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। यह क्षेत्र पूर्व मुख्यमंत्री व वर्तमान विधानसभा अध्यक्ष का भी है, इसके बावजूद चाकूबाजी की घटनाएं आम हो गई हैं, अपराधियों के हौसले बुलंद हैं और आमजन असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि ग्रामीण इलाकों में खुलेआम फायरिंग हो रही है, नशे के कारण युवाओं का भविष्य बर्बाद हो रहा है और भाजपा सरकार नशे को आय का स्रोत बनाकर देख रही है। शमसूल ने कहा कि शराब, गांजा और नाइट्रोटेन जैसी नशीली वस्तुएं आज युवा वर्ग में तेजी से फैल रही हैं, लेकिन सरकार की चुप्पी चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि आबकारी विभाग में पूर्व में भ्रष्टाचार में लिप्त रहे अधिकारी अब भी प्रभावशाली पदों पर बने हुए हैं, जिनका नेटवर्क पूरे प्रदेश में फैला हुआ है। राजनांदगांव मे शराब दुकान मे मैनपावर सप्लाई करने की कंपनी राजदीप इंटरप्राजेस और उनके लोकेशन अफसर अभिषेक रंजन कोचियाप्रथा को बढ़ावा देने का काम कर रहा है और अवैध व्यापार पर सरकार अंकुश लगाने में विफल रही है। प्रदेश अध्यक्ष शमसूल आलम ने कहा कि भाजपा सरकार के शासनकाल में न केवल आम नागरिक बल्कि जनप्रतिनिधि तक सुरक्षित नहीं हैं। कई जिलों में कर्मचारियों को महीनों से वेतन नहीं मिला है, जो सरकार की असफलता को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि जल्द ही वह मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और गृह मंत्री विजय शर्मा से मुलाकात कर सुरक्षा व्यवस्था, अपराध नियंत्रण और अवैध नशे के कारोबार पर प्रतिबंध लगाने की मांग करेंगे। यदि समय रहते ठोस कदम नहीं उठाए गए तो अजीत जोगी युवा मोर्चा प्रदेशभर में आंदोलन करेगा। शमसूल आलम ने चेतावनी दी कि अगर जल्द ही प्रदेश में शांति बहाल नहीं हुई, तो मोर्चा अपने सभी जिलाध्यक्षों के साथ मुख्यमंत्री निवास के समक्ष प्रदर्शन करेगा। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में लॉ एंड ऑर्डर को फिर से मजबूत करने के लिए सरकार को कठोर निर्णय लेने होंगे, वरना जनता सड़कों पर उतरने को मजबूर होगी।

48 घंटे से चले रेस्क्यू के बाद मिला रक्सा निवासी शोभाराम का शव

- 3 किलोमीटर दूर स्थित बोईरमाल बांध के समीप तैरता मिला युवक का शव

सरायपाली नृपनिधी पाण्डेय (समय दर्शन) – बीते 3 जुलाई सुबह करीबन 9.30 बजे शोभाराम पांडे पिता ईश्वर पांडे उम्र 40 वर्ष हर दिन की तरह घटना दिनांक को भी खेत की तरफ निकला था, वही रात भर से हो रही रुक रुक के बारिश के कारण खेत से लगे नाला (बही नाला) उफान पर था। वही पास में बने स्टॉप डैम में कुछ गांव के युवक बाढ़ देखने नाला के किनारे स्टॉप डैम पर मौजूद थे तभी उन्हें देख शोभाराम भी नाला किनारे बने स्टॉप डैम के पास पहुंचा तभी अचानक से मुरूम नीचे धंसने लगा आनन फानन में वहां मौजूद तीनों युवकों ने अपनी जान भागकर बचाने में सफल रहे वही शोभाराम पांडे का

पैर नीचे धंस रहे मुरूम के ऊपर पड़ गया देखते ही देखते शोभाराम मुरूम के नीचे समाते गया वहां मौजूद तीनों युवकों ने शोभाराम को गमछे के खींचने की कोशिश की मगर पानी का बहाव इतना तेज था चंद मिनटों में शोभाराम मुरूम के अंदर समा गया, वही तुरंत घटना के बाद युवकों ने ग्रामीणों और परिजनों को सूचना दिया जिसके बाद भारी संख्या में ग्रामीण स्टॉप डैम के पास पहुंचे तब तक स्टॉप डैम का मुरूम का शोल्डर 10 फीट से अधिक का गहरा रूप ले चुका था, तब ग्रामीणों ने इसकी सूचना सिंघोड़ा थाने को दिया जिसके बाद सिंघोड़ा थाने की पुलिस बल घटना स्थल पहुंचकर आलाधिकारी को सूचना के बाद जेसीबी मशीन से दबे मुरूम को निकालने का काम शुरू किया गया घंटों जेसीबी मशीन ने खुदाई की लेकिन कुछ हासिल नहीं हो सका वही स्थानीय टीम को मौके पर बुलाया गया जिसके बाद स्थानीय की टीम ने खोजबीन शुरू की पर कोई सुराग नहीं लग पाया वही तेज पानी की गति को देखते हुए हाइड्रा की मदद ली गई लेकिन हाइड्रा की टीम की भारी कश्मकश के बाद भी कोई सुराग हाथ नहीं लगी। 4 जुलाई घटना स्थल पर खुद सरायपाली विधायक चातुरी नन्द पहुंची और दिन भर घटना स्थल पर कमान संभाली रही। देर शाम नाला के पानी को खेत के रास्ते डायवर्ड करने के बाद हाइड्रा की टीम ने पुनः एक बार सर्च ऑपरेशन चलाया बावजूद इसके कोई भी सुराग नहीं मिला। वही 5 जुलाई को सुबह 9 बजे बोईरमाल गांव में बने बांध के पास एक लाश तैरने की सूचना पर टीम को बांध के पास रवाना किया गया, जहां बांध के पानी में तैरता हुआ लाश को निकाला गया, जहां अज्ञात पानी में तैरता लाश की शिनाख्ति शोभाराम पांडे उम्र 40 वर्ष के रूप में हुई है। वही सिंघोड़ा पुलिस टीम ने शव को पंचनामा कर पीएम के बाद परिजनों को सौंप दिया।

भाजपा मंडल पिरदा के ग्राम बैतारी में मनाई गई डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी की जन्म जयंती

बसना (समय दर्शन)। भाजपा मंडल पिरदा के अंतर्गत ग्राम पंचायत बैतारी में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी की जयंती मनाई गई। जिसमें मंडल अध्यक्ष अभिमन्यु प्रधान, जनपद सदस्य विमला बेहेरा एवं पूरे कार्यकर्ताओं के द्वारा डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी के छायाचित्र पर पूजा अर्चना कर कार्यक्रम की शुरुआत किया गया ।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जनपद सदस्य एवं कोषाध्यक्ष विमला बेहेरा द्वारा डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी के जीवन परिचय को संक्षिप्त में प्रस्तुत किया गया एवं उनके संघर्ष, समर्पण व जनहित कार्यों को याद कर उन्हें नमन किया गया।

संबोधन में मंडल अध्यक्ष अभिमन्यु प्रधान द्वारा बताया गया कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी भारतीय जन संघ के संस्थापक थे और 1951में इसकी स्थापना की, वे भारत के पहले उद्योग और आपूर्ति मंत्री थे,1950 में

मंत्रिमंडल से इस्तीफा दे दिया ,साथ ही डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी के राजनीति से लेकर बैरिस्टर, शिक्षाविद्, कलकत्ता विश्व विद्यालय के कुलपति तक के सफर को बताते हुए कहा उनके देश सेवा ,समर्पण को लेकर जो बीज बोया था, वही आज भाजपा के रूप में देश को अखंड भारत, श्रेष्ठ भारत , एक भारत, सशक्त भारत को विकसित करने संकल्पित है । 23जून 1953 को श्रीनगर में हिरासत में उनकी मृत्यु हो गई थी। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने कलकत्ता विश्व विद्यालय से शिक्षा प्राप्त की और 1923 में कानून की उपाधि प्राप्त की। 1926 में वे इंग्लैंड से बेरिस्टर बनकर स्वदेश लौटे, 33वर्ष की आयु में वे कलकत्ता विश्व विद्यालय के कुलपति बने।

कार्यक्रम का सफल संचालन महामंत्री सुभाष बंजारा के द्वारा किया गया तथा आभार प्रदर्शन महामंत्री मनीराम निषाद के द्वारा किया गया।

इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से मंडल अध्यक्ष अभिमन्यु प्रधान, महामंत्री सुभाष बंजारा , महामंत्री मनीराम निषाद, जनपद सदस्य व कोषाध्यक्ष विमला बेहेरा, खिरोद प्रधान उपाध्यक्ष, मकरध्वज भोई मंत्री,ताराचंद प्रधान प्रवक्ता, बसंत साहू पूर्व अध्यक्ष भाजयुमो, प्रेम बंजारा उपसरपंच ,जीतू , प्रमोद दीप, भगवानों साहू, लिंग राज भोई , जयलाल बरिहा आदि भाजपा कार्यकर्त्ता बंधु उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के अंत में सभी कार्यकर्त्ताओं की उपस्थिति में एक पेड़ मां के नाम लगाया गया।

प्रदेश कार्यकारिणी के बैठक सम्पन्न

रायपुर (समय दर्शन)। प्रगतिशील छत्तीसगढ़ सतनामी समाज के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का प्रथम बैठक गिरौदपुरी मड़वा धर्मशाला में नल निर्वाचित प्रदेशाध्यक्ष एवं संगठन शिल्पी एल एल कोशले की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। सर्व प्रथम समस्त पदाधिकारीयो द्वारा गिरौदपुरी में गुरूबाबा घासीदास जी के मुख्य मंदिर में पूजा अर्चना कर आशीर्वाद प्राप्त किए। बैठक में प्रमुख रूप से संस्था के विस्तार ,समसामयिक घटनाओं के निराकरण हेतु चर्चा किया गया। नवनिर्वाचित पदाधिकारीगणो के शपथ ग्रहण प्रदेश मुख्यालय रायपुर में माननीय मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में सामाजिक जनप्रतिनिधियों विधायक ,समाज के वर्तमान व पूर्व विधायक अधिकारी कर्मचारी, साधु संतों की उपस्थिति में करने का निर्णय लिया गया।बैठक में प्रदेश महासचिव मोहन बंजारे, प्रदेश उपाध्यक्ष, डॉ दिनेश जांगड़े, रेशम लाल घृतलहरे, महिला उपाध्यक्ष श्रीमती शुशीला सोनवानी, प्रदेश प्रवक्ता राजमहन्त पी एल कोसरिया, कोषाध्यक्ष श्याम तांडे, मीडिया प्रभारी लष्मीकांत कोसरिया, सहसचिव दिनेश बंजारे, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य, एस आर बंजारे,गुलाब टंडन,श्रीमती द्रोपति जोशी,निशा ओगरे, रजनी डण्डे,श्याम लाल सितारे, गणेश बघेल,विजय बंजारे,वीरेंद्र, अजगले,नोहर दिरहि,यादराम हिरवानी ,भुवन दास जांगड़े, विजय टंडन, डमरू मनहर, एच एल रात्रे सेवानिवृत्त वनसंरक्षक, के के खेलवार सेवानिवृत्त डी एफ ओ ,टी एस चतुर्वेदी के अलावा प्रदीप शृंगी प्रदेशाध्यक्ष युवा प्रकोष्ठ, प्रदेश उपाध्यक्ष दिनेश लहरे,विनोद भारती, विजय बंजारे जिलाध्यक्ष महासमुंद,रमेश बंजारे ,रामदास जांगडे, मोहन पुरैना, रामदास ,राकेश नारायण बंजारे,सहित, कोरबा, खरसिया, बिलासपुर ,रायपुर, मालखरौदा, बेमेतरा, दुर्ग, भिलाई से अनेको सामाजिक पदाधिकारी, कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बाल देव की प्रसन्नता से मिलती है शांति- सुरी

होमन सिंह ठाकुर समय दर्शन नंदिनी अहिवारा। शासन के द्वारा शाला युक्तियुक्तकरण के बाद 500 से अधिक छात्र संख्या वाले विद्यालय में स्थान बनाने वाला शासकीय उच्च प्राथमिक शाला मेड़ेसरा ने मुख्यमंत्री की महत्वाकांक्षी योजना न्योता भोजन को विद्यालय छात्रों के ठहराव एवं दर्ज संख्या में वृद्धि के लक्ष्य को लेकर सिद्धार्थ सिंह भुवाल संकुल समन्वयक ने क्रियान्वयन किया।

श्री अचल सूरी स्मृति नगर भिलाई निवासी ने अपनी पत्नी नेहा सूरी, पुत्र शब्द सूरी के साथ विद्यालय पहुंचकर अपने पिता स्वर्गीय श्री डॉक्टर वीरेंद्र कुमार सूरी के द्वितीय पुण्यतिथि के अवसर पर लगभग 450 छात्र-छात्राओं को केला, सेवफल, नाशपाती एवं मिठाईयों का वितरण किये । विद्यालय के प्रधान पाठक अमरलाल केसरा ने सूरी परिवार का परिचय करवाकर गुलदस्ता भेंट कर सम्मान किया और न्योता भोजन को शाही भोजन के रूप में लगभग 450 छात्रों के लिए ?32000 का फलों-मिठाईयां वितरण करने के लिए आभार ज्ञापित किये । दानदाता अचल और नेहा सूरी ने बाल देवो को फल वितरित करते हुए बच्चों की प्रसन्नता-मुस्कुराहट को देखकर आत्मिक शांति मिलने की बात कही एवं भविष्य में सहयोग करने का आश्वासन दिए।

संकुल समन्वयक सिद्धार्थ भुवाल ने कहा कि सरकार मध्याह्न भोजन के द्वारा छात्रों को गरम पौष्टिक आहार की व्यवस्था करता है । लेकिन समाज के सक्षम जागरूक दानवीरों द्वारा मौसमी फल मिठाइयों का वितरण करने से छात्र प्रत्यक्ष फलों, मिठाइयों से परिचित होकर उनके स्वाद का अनुभव करते हैं एवं रसोइयों को न्योता भोजन के लिए अतिरिक्त समय देकर मेहनत नहीं करना पड़ता और पालक भी अपने पाल्य को प्रतिदिन स्कूल भेजने के लिए न्योता भोजन में मिलने वाले व्यंजनों फलों का उदाहरण देते हैं । जिससे छात्र की उपस्थिति में बढ़ोतरी हो रही है ।

प्रधानपाठक अमर लाल केसरा एवं सुनील बंछोर ने इस आयोजन के लिए शाला परिवार की ओर से सूरी परिवार को बहुत बहुत धन्यवाद ज्ञापित किया। जनपद अध्यक्ष लिमन साहू ने न्योता भोजन मुख्यमंत्री के महत्वाकांक्षी योजना में सूरी परिवार की सहभागिता के लिए धन्यवाद दिये एवं शिक्षक गणों को प्रति सप्ताह न्योता भोजन कराने के लिए जन भागीदारी बढ़ाने का आग्रह किये ।कार्यक्रम का संचालन मंजू सिंह द्वारा किया गया ।

कार्यक्रम में ग्राम की पूर्व सरपंच ज्योति साहू, पालकगण, शिक्षक-शिक्षिकाएं- मंजू सिंह, रचना शर्मा, रूबी अधिकारी, संगीता देशलहरा, प्रीति वर्मा, रेखा तिवारी,कमल किशोर ध्रुव, ईश्वरी ठाकुर, भूषण साहू, पुष्पलता साटकर, रुक्मणी सोनी, हेमलता सिंह, वरूणा ताम्रकार आदि की विशेष उपस्थिति रही।

संजीव शाही को पदोन्नति और हैदराबाद स्थानांतरण पर इंटक ने किया सम्मानित

दंतेवाड़ा किरंदुल (समय दर्शन)। बीआईओएम किरंदुल कॉम्प्लेक्स एनएमडीसी में कार्यरत संजीव शाही को अधिशासी निदेशक के पद पर पदोन्नति और एनएमडीसी मुख्यालय, हैदराबाद स्थानांतरण पर मेटल माइंस वर्कर्स यूनियन (इंटक), किरंदुल द्वारा सम्मानित किया गया। यूनियन के अध्यक्ष विनोद कुमार कश्यप और सचिव ए.के. सिंह के नेतृत्व में उन्हें पुष्प गुच्छ, गांधी टोपी, तिरंगा गमछा, शाल और प्रतीक चिन्ह भेंट कर उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी गईं। शाही एक मृदुभाषी, अनुभवी और कुशल माइनिंग इंजीनियर होने के साथ-साथ उत्कृष्ट प्रशासक हैं। उन्होंने दोणिमलई और बचेली में लंबी सेवा के बाद किरंदुल परियोजना में लगभग एक वर्ष तक कार्य किया, जहां उन्होंने उत्पादन और डिस्पैच के क्षेत्र में कई कीर्तिमान स्थापित किए। उनकी कार्यशैली ने अधिकारियों और कर्मचारियों के बीच समन्वय स्थापित कर टीम भावना से बेहतर परिणाम हासिल किए।सम्मान समारोह में यूनियन के पदाधिकारी चिन्नास्वामी, प्रशांत ठाकर, दिलीप सिंह, बिजी प्रदीप, महेश कुमार मल्लाह, पतिराम बघेल, ओम कुमार साहू, राकेश लाल, रविश तिवारी, राजेंद्र पटनायक, त्रिलोक बांधे सहित अन्य उपस्थित रहे।

आस्था के रंग मे डूबा बसना नगर : बसना विधायक डॉ सम्पत अग्रवाल की अगुवाई में निकली रथयात्रा

- जगन्नाथ पुरी की दिव्यता का साक्षात अनुभव हुआ-डॉ सम्पत अग्रवाल

बसना (समय दर्शन)। श्रद्धा, भक्ति और आस्था का पर्व, भगवान जगन्नाथ महाप्रभु जी की रथयात्रा उड़ीसा के साथ ही छत्तीसगढ़ मे भी विख्यात है। यहाँ जगन्नाथ स्वामी जी की एक झलक पाने के लिए भक्त कोसों दूर का सफर कर जगन्नाथ महाप्रभु जी की रथयात्रा मे शामिल होते हैं । इस दिन भगवान अपने मंदिर को छोड़कर भक्तों को दर्शन देने नगर मे भ्रमण करते हैं ।

यह पर्व समूचा जगत के लिए उल्लास और उमंग के साथ प्रभु का दर्शन पाने और भक्ति मे लीन होने का पर्याय है ।

जगन्नाथ प्रभु की भक्ति मे झूमते गाते नगरवासियों ने जगन्नाथ महाप्रभु की जयघोष के साथ अपनी आस्था प्रकट की।

भगवान जगन्नाथ स्वामी आसाढ़ शुक्ल पक्ष की द्वितीया को भक्तों को दर्शन देते अपने मौसी के घर नौ दिन विश्राम के बाद पुनः भक्तों को दर्शन देते मंदिर आते हैं । इसी तारतम्य में बसना के श्री राम जानकी मंदिर से जगन्नाथ महाप्रभु जी को रथ मे आरूढ़ कराकर भक्तों के दर्शन लाभ हेतु नगर भ्रमण पश्चात थाना परिसर स्थित मंदिर में नौ दिन विश्राम के बाद शनिवार की संध्या 3 बजे श्री राम जानकी मंदिर समिति बसना के अध्यक्ष एवं बसना विधायक डॉ.सम्पत अग्रवाल की अगुवाई में मंदिर समिति के सभी सदस्यों एवं नगर के जनप्रतिनिधियों,गाहक बाहक की नृत्य गान के बीच थाना परिसर से नगर भ्रमण करते हुए मण्डी परिसर पहुँची। जहाँ हजारों लोगों ने जगन्नाथ महाप्रभु जी का पुण्य दर्शन लाभ के साथ प्रसाद ग्रहण किया । बहुड़ा रथयात्रा के शुभ दिवस पर थाना स्थित मंदिर मे आयोजित पूजन मे यजमान थाना निरीक्षक नरेन्द्र राठौर ने अर्चक पुरोहित संदीप शास्त्री एवं किशोर दास के वैदिक मंत्रोपचार के साथ पूजन सम्पन्न करवाये।

बसना विधायक डॉ.सम्पत अग्रवाल ने बहुड़ा रथयात्रा के अवसर पर विशेष पूजा अर्चना कर क्षेत्र के लोगों की सुख समृद्धि की कामना की।

इस दौरान श्रीराम जानकी मंदिर समिति बसना के संरक्षक आनंद मदनानी,राधे अग्रवाल,डॉ.एन के अग्रवाल, रमेश अग्रवाल,जयन्ती अग्रवाल,कार्यकारी अध्यक्ष अशोक जोशी, तरूण दास, रामचंद्र अग्रवाल,जय नारायण अग्रवाल, भगतराम वाधवा, सचिव अभय धृतलहरे, कोषाध्यक्ष अजय अग्रवाल,निर्मल दास,श्यामलाल अग्रवाल,बलदेव मिश्रा, राजेन्द्र अग्रवाल, जगदीश दास,जनपद उपाध्यक्ष मोहित पटेल,विहिप जिलाध्यक्ष शौरव अग्रवाल,मण्डल अध्यक्ष नरेन्द्र यादव,रघुवीर अग्रवाल, कामेश बंजारा,दिनेश डडसेना,पत्रकार नंदलाल मिश्रा, सेवकदास दीवान,आर के दास,मनहरण सोनवानी,संजय तायल,अमृत चौधरी,सरोज पटेल, मुकेश अग्रवाल, अशोक साव,विद्या पटेल,विजय पटेल, आकाश सिन्हा,भगवान दास,पत्रकारगण इब्राहीम कादरी,फिरोज खान,गोवर्धन नन्दे,सी डी बघेल, कुंजराम यादव ,जीत यादव एवं क्षेत्र के सैकड़ों माताएं बहने एवं श्रृद्धालु भक्त वृन्द उपस्थित थे ।

स्वामित्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रोहित खड़तकर द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स ग्राम छाटा, पोस्ट देवादा, तहसील पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.) 491111 से मुद्रित कर बी-4, प्रेस काम्प्लेक्स, इंदिरा मार्केट, दुर्ग छ.ग. 491001 से प्रकाशित। संपादक :- रोहित खड़तकर,
समाचार संपादक : दामोदर राव, फोन नं.-0788-4051213, मो. 9827104452, रायपुर कार्यालय:-0771-4218364, ईमेल - samay.darshan191@gmail.com पं. क्र. CHHHIN/2011/41517 डाक पंजीयन क्रमांक छ.ग./दुर्ग/61/2024-26